राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 310 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, शुक्रवार 19 सितम्बर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

रामभद्रचार्य के कथा आयोजकों पर टेंट कारोबारी का 42 लाख हड़पने का आरोप

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी रामभद्रचार्य की कथा का आयोजन करने वाले आयोजकों पर 42 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगा है। गाजियाबाद में एबी ग्रेशन एक्टिविटी कंपनी चलाने वाले टेंट व्यवसायी अनुज अग्रवाल ने बताया कि मेरठ में रामकथा के लिए ग्रेटर नोएडा में दिव्य शक्ति ट्रस्ट की महामंडलेश्वर लाडली सरस्वती से सौदा हुआ था। अग्रवाल ने बताया कि काम पूरा होने पर 42 लाख रुपये का आधा भुगतान नहीं किया जा रहा और धमकी मिल रही है। अग्रवाल ने बताया कि 8 से 14 सितंबर तक सिविल लाइंस के भामाशाह पार्क में कथा हुई थी, जिसमें पहले पंडाल का काम 1.21 करोड़ रुपये में बताया गया था, लेकिन सौदा 87 लाख रुपये में तय हुआ। आयोजकों ने 20 लाख रुपये एडवांस दिए और कथा के दौरान 25 लाख रुपये चुकाए। कथा अचानक 2 दिन पहले खत्म हो गई और अब 42 लाख रुपये नहीं मिल रहे हैं। अग्रवाल के पास सौदे का प्रमाण भी है।

कर्नाटक के विजयपुरा एसबीआई में नकाबपोश बदमाशों का धावा

बेंगलुरु। कर्नाटक के विजयपुरा जिले से चौंकाने वाली खबर आई है। यहां के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में मंगलवार शाम को हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोल दिया। उन्होंने जिले के चाडचन कस्बे की एसबीआई शाखा में घुसकर बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया और 58 करोड़ रुपये का सोना और 8 करोड़ रुपये की नकदी लूट ली है। सभी बदमाश डकैती को अंजाम देकर फरार हो गए हैं। उनकी तलाश जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदमाशों ने शाम को साढ़े 6 बजे उस समय धावा बोला, जब बैंक बंद हो चुका था और कर्मचारी अपना काम समेटकर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी सैन्य वर्दी पहने बदमाश देसी पिस्तौल लेकर अंदर घुस आए। उन्होंने प्रबंधक, कैशियर और कर्मचारियों को धमकाया और उन्हें अलार्म बटन दबाने से रोक दिया। इसके बाद बदमाश लॉकर और अन्य जगह रखा सोना और 8 करोड़ की नदी को बैग में भरकर निकल गए।

जॉली एलएलबी 3 की रिलीज पर रोक की मांग खारिज

मुंबई। पिछले काफी समय से अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म जॉली एलएलबी 3 की खूब चर्चा हो रही है। जहां एक ओर सिनेप्रेमी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीते दिनों बॉम्बे हाई कोर्ट में इसकी रिलीज रोकने के लिए याचिका दायर की गई थी। अब अदालत ने जॉली एलएलबी 3 के निर्माताओं के पक्ष में फैसाला सुनाया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने फिल्म के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि फिल्म में जजों और वकीलों का मजाक उड़ाया जा रहा है।जिससे न्याय व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचेगी।

राहुल ने ज्ञानेश कुमार को भी घेरा

हाईजैक कर वोट काटे जा रहे,निशाने पर दलित व ओबीसी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने चुनावी धांधली के आरोपों को और धार दी। राहुल गांधी ने कहा, 'सबसे पहले, यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है।' उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को बचा रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। वे उन्हें बचा रहे हैं, जिन्होंने वोट चोरी किया है।राहुल गांधी ने कहा, 'कर्नाटक में अलंद एक निर्वाचन क्षेत्र है। किसी ने 6018 वोटों को हटाने की कोशिश की। हमने पाया है कि महज 14 मिनट में 12 वोट डिलीट किए गए। हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में अलंद में कुल कितने वोट हटाए गए। ये संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है, लेकिन कोई उन 6018 वोटों को हटाते हुए पकड़ा गया। यह संयोग से पकड़ा गया। हुआ यूं कि वहां के बूथ लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट हटा दिया गया है, तो उसने जांच की कि उसके चाचा का वोट किसने हटाया और उसने पाया कि वोट हटाने वाला एक पड़ोसी था। उसने अपने पड़ोसी से पूछा, लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने कोई वोट नहीं हटाया। न तो वोट हटाने वाले व्यक्ति को और न ही जिसका वोट हटाया गया था, उसे पता

था। किसी और ताकत ने इस प्रक्रिया को हाईजैक कर लिया और वोट हटा दिया। वोटों को हटाने का काम किसी व्यक्ति के जरिए नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके केंद्रीकृत तरीके से किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि अलंद में मतदाताओं के नाम पर 6018 आवेदन दाखिल किए गए। जिन लोगों ने ये आवेदन दाखिल किए, उन्होंने वास्तव में इन्हें कभी दाखिल ही नहीं किया। यह आवेदन एक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके स्वचालित रूप से दाखिल किया गया। कर्नाटक के बाहर विभिन्न राज्यों के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल अलंद में नंबरों को हटाने के लिए किया गया और यह कांग्रेस के मतदाताओं को निशाना बनाकर किया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अदालत या किसी उच्चतर एजेंसी का रुख करेंगे तो राहुल गांधी ने कहा, 'सच कहूं तो, मैं यहां जो कर रहा हूं, वह मेरा काम नहीं है। मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी करना है। मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना नहीं है। यह भारत की संस्थाओं का काम है। वे ऐसा नहीं कर रही हैं, इसलिए मुझे यह करना पड़ रहा है। हमारी प्रस्तुति के अंत तक, जिसमें 2-3 महीने लगेंगे, आपके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रहेगा कि भारत में राज्य दर राज्य, लोकसभा दर लोकसभा चुनाव वोटों की चोरी हुई है।

'ऐसी कोई बात नहीं कहने जा रहा हूं, जो 100 प्रतिशत प्रमाण पर आधारित न हो'- इससे पहले राहुल गांधी ने कहा, 'मैं इस मंच पर ऐसी कोई बात नहीं कहने जा रहा हूं, जो 100 प्रतिशत सत्य पर आधारित न हो। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो अपने देश से प्यार करता है, मैं अपने संविधान से प्यार करता हूं, मैं लोकतांत्रिक प्रक्रिया से प्यार करता हूं और मैं उस प्रक्रिया की रक्षा कर रहा हूं। मैं यहां ऐसी कोई बात नहीं कहने जा रहा हूं, जो 100 प्रतिशत प्रमाण पर आधारित न हो, जिसे आप निर्धारित कर सकें।'

ममता सरकार ने की घोषणा

2011से आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी रिहा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने 2011 से आजीवन कारावास की सजा काट रहे 840 कैदियों को रिहा किया है, जिनमें से सभी ने 14 साल से अधिक की सजा काट ली थी। ममता ने यह भी घोषणा की कि उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद अब 45 अतिरिक्त कैदियों को रिहा किया जा रहा है। उन्होंने रिहा किए गए व्यक्तियों और उनके परिवारों को बधाई दी और कहा कि कारावास के दौरान उनका अच्छा व्यवहार इस निर्णय का एक प्रमुख कारक था। ममता ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "हमारी सरकार ने आजीवन कारावास की सज़ा काट

चुके कई कैदियों को कानूनी तौर पर रिहा किया है। 2011 से अब तक ऐसे 840 लोगों को रिहा किया जा चुका है। 45 और कैदियों को कानूनी तौर पर रिहा किया जा रहा है। मैं उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देती हूं। उन्होंने सुधार गृहों की पुनर्वास भूमिका पर ज़ोर देते हुए लिखा, "मुझे पता है कि कारावास के दौरान उनका व्यवहार अच्छा था।

महिला नक्सली पर पांच लाख रूपये का था इनाम

सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक इनामी महिला नक्सली को मार गिराया.......

सुकमा/ संवाददाता

छत्तीसगल्ढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक इनामी महिला नक्सली को मार गिराया है. पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गादीरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुफ्ड़ी और पेरमापारा गांव के बीच जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पांच लाख रूपये की इनामी मलांगीर एरिया कमेटी की सदस्य बूस्की नुप्पो को मार गिराया है. अधिकारियों ने बताया कि आज जिले के गादीरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुफ्ड़ी और पेरमापारा गांव के बीच जंगल में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था. उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने जब घटनास्थल पर खोजी अभियान चलाया तब वहां से एक महिला माओवादी का शव और हथियार बरामद किया गया. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारी गई माओवादी की पहचान बूस्की नुप्पो (35) के रूप में हुई है. वह मलांगीर एरिया कमेटी की सदस्य थी तथा उसके सिर पर पांच लाख रूपये का इनाम है. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से

.315 बोर की एक राइफल, उसके पांच कारतूस, एक वायरलेस सेट, आठ डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर और अन्य सामान बरामद किया है. उन्होंने बताया कि नुप्पो के खिलाफ अरनपुर थाने में सात मामले तथा कुंआकोंडा और गादीरास थाने में एक-एक मामला दर्ज है. बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने माओवादियों से अपील की है कि वे यह यथार्थ स्वीकार करें कि माओवाद समाप्ति के कगार पर है. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वे हिंसा का मार्ग त्याग कर सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाते हुए मुख्यधारा से जुड़ें. इस कार्रवाई के साथ इस साल अब तक छत्तीसगल्ढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 247 नक्सली मारे गए हैं. इनमें से 218 बस्तर संभाग (जिसमें सात जिले शामिल हैं) में मारे गए, जबकि 27 अन्य रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए. दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागल्ढ़ चौकी जिले में दो अन्य नक्सली मारे गए.

भारतीय वायुसेना के नियमों के तहत

सौतेली मां......को पारिवारिक पेंशन नहीं दी जा सकती:केंद्र

रांची/ एजेंसी

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि फौज ही एकमात्र ऐसी जगह है जहां भाई-भतीजावाद नहीं है. उन्होंने बच्चों से देश की सेवा करने के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होने की आकांक्षा रखने का आग्रह किया. यहां स्कूली बच्चों के साथ बातचीत के दौरान जनरल चौहान ने कहा कि सशस्त्र बलों ने इस वर्ष बड़ी संख्या में प्राकृतिक आपदाओं के बीच नागरिकों को बचाने के लिए अधिकतम प्रयास किये. उन्होंने कहा, फौज ही एकमात्र ऐसी जगह

है जहां कोई भाई-भतीजावाद नहीं हैज् यदि आप राष्ट्र की सेवा करना चाहते हैं, और देश तथा विश्व को जानना चाहते हैं, तो आपको सशस्त्र बलों में शामिल होने की आकांक्षा रखनी चाहिए. 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बात करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए पहला हमला छह और सात मई की दरम्यानी रात को एक बजे किया गया. उन्होंने कहा, रात के समय लंबी दूरी के लक्ष्यों पर सटीक हमला करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है. 'ऑपरेशन सिंदूर' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया था. पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक शामिल थे. केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि पेंशन कोई उपहार नहीं है और भारतीय वायुसेना के नियमों के तहत सौतेली मां को पारिवारिक पेंशन के लिए पात्र नहीं माना जा सकता।

कांग्रेस को हटाना होगा प्रधानमंत्री मोदी की मां का एआई वीडियो

पटन। बिहार की पटना हाई कोर्ट से मंगलवार को कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन का एआई - जेनरेटेड वीडियो हटाने को कहा है। यह आदेश कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पीबी बजंत्री ने दिया है और पार्टी को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो हटाने को कहा है। कांग्रेस के खिलाफ भाजपा दिल्ली चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकेत गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी। वीडियो को 10 सितंबर को बिहार कांग्रेस इकाई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जो पूरी तरह एआई से बना है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी अपनी दिवंगत मां हीराबेन के बारे में सपना देखते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अनुराग ठाकुर का कांग्रेस नेता पर पलटवार

भारत में बांग्लादेश-नेपाल जैसे हालात पैदा करना चाहते हैं राहुल

नयी दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बार-बार लगाए गए आरोप भारतीय लोकतंत्र में उनके विश्वास के अभाव को दर्शाते हैं. भाजपा ने उनपर अराजकता फैलाने तथा भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अशांति पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया. पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि घुसपैठिए प्रथम की राजनीति गांधी का एकमात्र एजेंडा है. उन्होंने आरोप लगाया

कि कांग्रेस नेता अनुसूचित जाति एससी, अनुसूचित जनजाति एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के हितों की बात कर सकते हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा करायी जा रही मतदाता सूची की समीक्षा का विरोध करके अवैध मतदाताओं को बचाने की उनकी कोशिश इन समुदायों के हितों को नुकसान पहुंचाएगी. भाजपा ने गांधी पर पलटवार तब किया जब उन्होंने मीडिया के सामने एक प्रजेंटेशन पेश किया. गांधी ने इस प्रजेंटेशन में निर्वाचन आयोग के खिलाफ 'वोट चोरी' के अपने आरोप को पुष्ट करने की कोशिश की. गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों' और लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया. उन्होंने कर्नाटक के विधानसभा क्षेत्र अलंद के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों के वोट व्यवस्थित तरीके से हटाए गये.

इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से हो रहा निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए नया भविष्य गढ़ेगा

राजिम क्षेत्र के लोगों को मिली सस्ती और सुलभ रेल सेवा

- राजिम क्षेत्र के लोगों को मिली सस्ती और सुलभ रेल सेवा, यात्रियों को होगा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजिम में नई रेल सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की आवागमन सुविधा में वृद्धि करते हुए राजिम से रायपुर के लिए नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने राजिम-रायपुर-राजिम मेमू नई ट्रेन सेवा तथा रायपुर-अभनपुर 2 मेमू रेल सेवा का राजिम तक विस्तार भी प्रारंभ किया। भारी संख्या में यात्री इस अवसर पर ट्रेन में सवार हुए और उत्साहपूर्वक रायपुर की ओर रवाना हुए। सस्ती एवं सुलभ नई रेल सुविधा मिलने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस नई रेल सेवा से राजिम सहित गरियाबंद एवं देवभोग क्षेत्र के लोगों को भी राजधानी रायपुर तक सस्ती और किफायती यात्रा का विकल्प प्राप्त होगा। विद्यार्थी, नौकरीपेशा वर्ग और व्यापारी वर्ग सहित सभी के लिए यह ट्रेन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रयाग, राजिम अब रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। ग्रामीण अंचलों से राजधानी रायपुर का आवागमन अब और अधिक सुगम, सुविधाजनक और किफायती बन गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आशीर्वाद से

लगातार 19 महीनों से विकास की गति निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से हो रहा निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए नया भविष्य गढ़ेगा। उन्होंने बताया कि लगभग आठ वर्ष पूर्व धमतरी से रायपुर तक नैरोगेज ट्रेन चलती थी और अब आठ वर्षों के अंतराल के बाद यहां ब्रॉडगेज ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। इसके लिए उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में रेलवे की लगभग 45,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में लगभग 7,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे प्रदेश में रेल सेवाओं का तीव्र विस्तार और विकास सुनिश्चित हो रहा है। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, लोकसभा सांसद रायपुर श्री बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, अभनपुर विधायक श्री इन्द्रकुमार साहू, राजिम विधायक श्री रोहित साहू, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंदूलाल साहू, नगर पालिका गोबरा नवापारा अध्यक्ष श्रीमती ओमकुमारी संजय साहू, नगर पंचायत राजिम अध्यक्ष श्री महेश यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, रेलवे अधिकारी-कर्मचारी एवं भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

श्रद्धालु एवं पर्यटक यात्री अब राजिम से सीधे डोंगरगढ़ तक भी यात्रा कर सकेंगे

महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने नई रेल सेवा के लिए लोगों को बधाई देते हुए कहा कि अब राजिम से रायपुर आना बहुत आसान हो गया है। श्रद्धालु एवं पर्यटक यात्री अब राजिम से सीधे डोंगरगढ़ तक भी यात्रा कर सकेंगे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन अब राजिम तक किया जाएगा। 19 सितम्बर 2025 से नियमित समय-सारणी के अनुसार गाड़ी संख्या 68766/68767 राजिम-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर प्रतिदिन दोनों छोरों—राजिम और रायपुर—से संचालित होगी। इस ट्रेन में 06 सामान्य श्रेणी के डिब्बे तथा 02 पावरकार सहित कुल 08 कोच होंगे।

किकिरदा सचिव जांच और कार्यवाही से बचने लगा रहा जुगाड़,पंचायत में बिना काम कराये 30 लाख गबन मामला

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत जैजैपुर के ग्राम पंचायत किकिरदा का सचिव कीर्तन लाल चन्द्रा पंचायत में बिना काम राशि गबन मामलें में बचने जुगाड़ लगा रहा है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जांच को रूकवाने सुबह-शाम जनपद,जिला पंचायत सहित नेताओं के शरण में जा रहा है। वही कार्यवाही के डर से किकिरदा पंचायत से अन्यत्र ट्रान्सफर कराने कि जुगाड़ जनपद में लगाने लगा हैं।

गौरतलब हो कि जनपद पंचायत जैजैपुर के ग्राम पंचायत किकिरदा के सचिव - कीर्तन लाल चन्द्रा,पूर्व सरपंच शांतिबाई बंजारे द्वारा बिना काम किये 20 लाख से अधिक के राशि का दुरुपयोग का आरोप लगा है। छतदार चबुतरा,मुक्तिधाम,पचरी

निर्माण,नाली निर्माण का काम हुआ ही नहीं और लाखों रुपये निकाल लिये वही मरम्मत,बोर खनन,फोटोकॉपी-स्टेशनरी के नाम पर भी मनमानी तरीके से लाखों का बिल निकाला गया।वही 15वें वित्त के राशि 8.91लाख का दुरुपयोग का आरोप लगा है वही शिकायत के 15 दिन बाद भी अब तक जांच शुरु नहीं हो सकी है।

सब इंजीनियर के कार्यप्रणाली पर उठने लगे सवाल,बिना काम भुगतान कैसे ?

वहीं नियम के तहत निर्माण कार्य के स्टेटमेंट तैयार कर भौतिक सत्यापन,मुल्यांकन करके बिल भुगतान कराने कि जिम्मेदारी सब इंजीनियर कि होती है छतदार चबुतरा,मुक्तिधाम,पचरी निर्माण,नाली निर्माण का काम हुआ ही नहीं,सब इंजीनियर के कार्यप्रणाली पर भी सवाल सवाल यह है कि बिना काम के सब इंजीनियर द्वारा भुगतान कैसे करा दिया गया।

15वें वित्त के राशि का दुरुपयोग का भी लगा है आरोप- वही वर्तमान सरपंच गोमती मांझी सचिव कीर्तन लाल चन्द्रा पर 15वें वित्त के 8.91लाख रुपये के राशि का दुरुपयोग का भी आरोप लगा हैं इसकी भी शिकायत कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, जनपद सीईओ से कि गई है लेकिन जनपद सीईओ द्वारा मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा।

अब जांच से बचने ट्रान्सफर के जुगाड़ में जुटा सचिव- वही लाखों रुपये के गबन कि जांच कि आंच सचिव कीर्तन लाल चन्द्रा तक पहुंची तो जांच और कार्यवाही से बचने किकिरदा पंचायत से अन्यत्र ट्रान्सफर कि जुगाड़ में जुट गया है,वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जांच को रुकाने रोज जनपद,जिला पंचायत से लेकर नेताओं के शरण में जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं ने ली छत्तीसगढ़िया महिला क्रांति सेना की सदस्यता

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। अहिवारा विधानसभा के ग्राम मुड़पार में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने जबर सदाशयता अभियान चलाया जिसमे गांव के 50 से अधिक महिलाओं ने संगठन की सदाशयता ली । छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़िया के लिए लड़ने वाली छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के विचारो से प्रभावीत होकर छत्तीसगढ़ की दशा और दिशा को सुधारने के लिए महिलाओं ने राज्य हित और महतारी सेवा का संकल्प लेते हुए सदस्यता ग्रहण की 7बैठक में छत्तीसगढिया क्रांति सेना जिला अध्यक्ष जागेश्वर वर्मा, उपध्याक्ष महेश साहू, छत्तीसगढिया युवा क्रांति सेना जिला अध्यक्ष रवि देवांगन, महिला पदाधिकारी मनीषा देवांगन, इंदु मारकंडे, पिंकी साहू, नितिन देवी वे अन्य सेनानी उपस्थित रहे ।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के कराते खिलाड़ियों ने क्यू बेल्ट सर्टिफिकेट अर्जित किया

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में स्कूल के कराते खिलाड़ियों का बेल्ट ग्रेडिंग एग्जाम आयोजित किया गया। जिसमें खिलाड़ियों ने अपने स्टेमिना, मारक क्षमता, तकनीकी ज्ञान, काता, कुमिते तथा कराते स्पोर्ट्स विधा का प्रदर्शन करते हुए बेल्ट एवं क्यू रैंक सर्टिफिकेट अर्जित किए। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह, कराते संघ के प्रमुख वरुण पाण्डेय, कोच सेंसेई रूखमणी, सुश्री मधु विश्वकर्मा उपस्थित रहे। बेल्ट परीक्षा देकर सफल होने वाले खिलाड़ियों में ऑरेंज बेल्ट- नितेश सूर्या, अक्षिता शर्मा, यलो बेल्ट- अनन्या राठौर, अहाना घृतलहरे, जॉय स्टेफन, दिव्यांश भानु, विराट सिंह, चारूल पटेल, आराध्या सिंह राठौर, माही अग्रवाल, सनाया लाल, पूर्वी कश्यप, खुशबू कश्यप, प्रार्थना अग्रवाल, मानसी अग्रवाल, मिश्री बंजारे, माही फ्रे, झलक पटेल को प्रदान किया गया। संस्था के डायरेक्टर आलोक अग्रवाल एवं संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया। इस गतिविधि के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, एडमिन स्टाफतथा ग्राउंड लेवल स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

सैमसंग का बड़ा ऐलान: 2025 के अंत तक 400 मिलियन डिवाइस पर मिलेगा गैलेक्सी एआई

गुरुग्राम: सैमसंग ने आज घोषणा की है कि वह 2025 के अंत तक दुनिया भर में 400 मिलियन डिवाइस पर गैलेक्सी एआई उपलब्ध कराएगा। वर्ष 2024 में कंपनी ने दुनिया का पहला एआई फोन गैलेक्सी S24 सीरीज़ लॉन्च किया था, जिसने मोबाइल एआई इनोवेशन की दिशा तय की। इसके बाद सैमसंग ने अपने एआई इकोसिस्टम को स्मार्टवॉच, टैबलेट, पीसी और अन्य डिवाइस तक विस्तार दिया। गैलेक्सी डिवाइस की मांग इस समय रिकॉर्ड स्तर पर है। गैलेक्सी S25 के 70% से अधिक यूज़र सक्रिय रूप से गैलेक्सी एआई का उपयोग कर रहे हैं। वहीं हाल ही में लॉन्च हुई गैलेक्सी Z सीरीज़ ने One UI 8 के ज़रिए और भी उन्नत फीचर्स के साथ एआई को और अधिक यूज़र्स तक पहुँचाया है। पिछले दो वर्षों में गैलेक्सी एआई ने दुनिया भर में तेज़ी से लोकप्रियता हासिल की है। One UI के जरिए इसमें लगातार नए और उपयोगी फीचर्स जोड़े गए हैं। सैमसंग का लक्ष्य है कि इस साल के अंत तक 400 मिलियन से अधिक डिवाइस पर गैलेक्सी एआई का अनुभव उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जाए। सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले गैलेक्सी एआई फीचर्स में फोटो असिस्?ट और ऑडियो इरेज़र शामिल हैं। गैलेक?सी स्25 यूज़र्स में इनका इस्तेमाल, गैलेक्सी S24 की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है। फोटो असिस्ट से यूज़र गैलरी ऐप में आसानी से फोटो एडिट कर सकते हैं, जबकि ऑडियो इरेज़र वीडियो से बैकग्राउंड नॉइज़ हटाने की सुविधा देता है। इसके अलावा इंटरप्रेटर और लाइव ट्रांसलेट जैसे फीचर्स संवाद को आसान बनाते हैं।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने मनाई अपनी 42वीं सालगिरह

बिलासपुर। अपोलो हॉस्पिटल्स ने देश भर के 19000 पिनकोड्स तक पहुंच बनाने, 185 देशों का भरोसा जीतने और 20 करोड़ से अधिक ज़िंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने के बाद अपनी 42वीं सालगिरह का जश्न मना रहा है । अपोलो ने 1983 में भारत का पहला कॉर्पोरेट हास्पिटल खोल कर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई क्रान्ति की शुरूआत की, पिछले चार दशकों की अपनी यात्रा में अस्पताल 51 लाख से अधिक सर्जरियों और 27000 से अधिक अंग प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं को अंजाम दे चुका है। अपोलो ने 11 लाख से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित कर देश में हेल्थकेयर सेक्टर में कुशल मानव पूंजी बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। देश की हेल्थकेयर की गुणवत्ता में भरोसा उत्पन्न कर, अपोलो ने भारत को उत्कृष्ट देखभाल के विश्वस्तरीय गंतव्य के रूप में स्थापित किया है, जबकि इससे पहले मरीज़ों को इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता था। डॉ प्रताप सी रेड्डी, चेयरमैन अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, ''1983 में अपोलो की शुरूआत के साथ एक अस्पताल का नहीं बल्कि एक आंदोलन का जन्म हुआ। पिछले चार दशकों के दौरान यह आंदोलन ऐसी शक्ति बनकर उभरा है, जिसने 20 करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, 185 देशों का भरोसा जीता है और हेल्थकेयर को नए आयाम दिए हैं। हम हमेशा से विश्वस्तरीय देखभाल को सुलभ और भविष्य के लिए तैयार बनाने हेतु प्रयासरत रहे हैं। भारत विश्वस्तरीय मंच पर विकसित हो रहा है, इस बीच अपोलो एक प्रेरक शक्ति के रूप में स्वस्थ समाज के निर्माण, चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण के साथ सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक परिवार-उम्मीद, स्वास्थ्य एवं खुशहाली के साथ भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें।''

अपोलो की यात्रा भारत की बढ़ती दीर्घायु और स्वास्थ्य के मानकों के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। विदेशी देखभाल पर निर्भरता कम कर, विभिन्न सेक्टरों में चिकित्सा के मानकों को बेहतर बनाकर और लाखों लोगों तक पहुंच बनाकर, अपोलो ने मरीज़ों की उम्र बढ़ाने, उन्हें लम्बे समय तक स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाया है तथा हेल्थकेयर के भरोसेमंद गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत बनाया है। इस अवसर पर डॉ प्रीथा रेड्डी, एक्ज़क्टिव वाईस चेयरपर्सन, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, ''देश की क्षमता इसके लोगों के स्वास्थ्य में निहित है। भारत के डॉक्टरों, नर्सों और मरीज़ों की देखभाल करने वाले स्टाफ को प्रगति के साइलेन्ट आर्कीटेक्ट कहा जा सकता है। अपोलो में हमने न सिर्फ अस्पताल बल्कि मानव पूंजी बनाई है। जब हम लोगों में निवेश करते हैं, तो वास्तव में हम देश की गरिमा, प्रतिष्ठा और भविष्य में निवेश करते हैं।' डॉ सुनीता रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, ''विकास की यात्रा में हमने हमेशा से मरीज़ों को प्राथमिकता दी है।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर बदली जिंदगी, मछली पालन से बढ़ी आमदनी

आदिवासी महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी

मुंगेली(समय दर्शन) विष्णु सरकार के सुशासन में आदिवासी अंचल की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों से जुड़कर न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। इसी तारतम्य में विकासखण्ड मुंगेली अंतर्गत ग्राम पचोटियां की जय बूढ़ा देव महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मछलीपालन से अपनी आमदनी में बढ़ोत्तरी की है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती संतोषी ध्रुव और सचिव गौरी बाई मरावी ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत बैंक से लोन लिया था और विगत 08 वर्षों से गांव के रामसागर तालाब में मछली पालन कर रही हैं। समूह की महिलाएं साल में दो बार मछली बेचती हैं, जिससे उन्हें करीब 60 हजार रूपए तक की आमदनी हो जाती है। इसके साथ ही वे अपनी परंपरागत खेती-बाड़ी भी करती हैं। इससे उनके परिवार की आय में लगातार वृद्धि हुई है और जीवन स्तर में सुधार आया है। महिलाओं ने कहा कि सरकार की योजनाओं और सहयोग से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। आज वे आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार का भाग्य खुद गढ़ रही हैं। इससे उन्हें रोजगार का साधन मिल गया है और अजीविका भी बेहतर तरीके से चल रही है। उन्होंने शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

खो खो में पहन्दा (अ) के बहनों का दबदबा प्रतिवर्ष के भांति कायम....

पाटन (समय दर्शन)। पाटन विधानसभा क्षेत्र के पहन्दा अ के सरस्वती शिशु मंदिर एवं एकलव्य खो खो संघ के बहनों के द्वारा मध्य क्षेत्र (स्त्रस्त्रद्ध) खो खो प्रतियोगिता में प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी अपना दबदबा कायम रखा जिसमें कप्तान कुमकुम देवांगन, उप कप्तान प्राची यादव, जाह्नवी यादव, लक्ष्मी साहू, अंकिता साहू, हेमा ठाकुर, नूतन ठाकुर, रितिका ठाकुर, जाह्नवी वर्मा, तान्या ठाकुर, गीतांजलि साहू सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य श्री चेलाराम साहू ने यह बताया कि 6 वर्षों से विद्या भारती (स्त्रस्त्रद्ध) मध्य क्षेत्र खो खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते आ रहे है व इस वर्ष जांजगीर चापा में आयोजित मध्य क्षेत्रीय खो खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं 8 नवम्बर से 11 नवम्बर को अखिल भारतीयके लिए हापुड़(उत्तर प्रदेश)के लिए आपना स्थान सुनिश्चित किया है खेल के क्षेत्र में पहन्दा के खिलाड़ियों ने गांव का नाम रोशन कर रहे है। खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर सांसद एवं एकलव्य खो खो संघ के संरक्षक श्री विजय बघेल जी, योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूपनारायण सिन्हा जी, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती हर्षा लोकमणी चंद्राकर, जनपद सभापति प्रणव शर्मा , नगरपालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर,सरपंच इसरावती ठाकुर, सरपंच रवि सिगौर , सरपंच मोहन लोधी, सरपंच थानेश्वर यदु ,स.शि.म.पहंदा अ के अध्यक्ष चेतन देवांगन जी, उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र साहू जी, सचिव श्री राजेंद्र साहू, सह सचिव जगदीश वर्मा , कोषाध्यक्ष बिसरूराम कुर्रे, चंद्रकुमार साहू, नरोत्तम साहू , आचार्य दीदी श्रीमती मीनाक्षी साहू, प्रिया यादव, हुलसी देवांगन, दयावती सेन,अंजू साहू, खिलेश्वरी कटरे, हुलासा निषाद, गूंजा साहू , वामिनी साहू , गौरी ठाकुर , टिकेश्वरी कौशल, धामिन साहू , दामिनी साहू एवं एकलव्य खो खो संघ के अध्यक्ष श्री टीकाराम साहू, उपाध्यक्ष मोहन लाल साहू ,भारत साहू, कोषाध्यक्ष विश्वकर्मा पाल, सचिव अनुज साहू, होरीलाल यादव, हरिराम यादव, बिसालिक साहू, रामकुमार साहू,भूपेंद्र साहू, विजय यदु, मेघनाथ साहू , प्रशिक्षक गजेन्द्र यादव, सहायक प्रशिक्षक वेदप्रकाश पटेल, अमरकांत देवांगन, पवन साहू, प्रभारी प्रशिक्षक पवन कुमार मानिकपुरी, मोहित पाल, हरीश निषाद, गीता साहू , डॉली ठाकुर, मानसी ठाकुर, डॉली यादव, कंचन साहू, अंजली यदु एवं प्रधानाचार्य श्री चेलाराम साहू ने खिलाड़ियों के उत्कृष प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

विश्वकर्मा जयंती पर वार्ड क्रमांक 9 में श्रमिकों का पंजीयन हुआ

(पंच एकांश पटेल के नेतृत्व में एक दिवसीय शिविर का हुआ आयोजन)

बिर्रा-बुधवार को विश्वकर्मा जयंती एवं रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर ग्राम पंचायत बिर्रा के वार्ड क्रमांक 09 पटेल मोहल्ला में वार्ड पंच एकांश पटेल की नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निर्माण श्रमिकों ने जमकर भाग लिया। शिविर में लगभग 185 श्रमिकों का नवीन पंजीयन एवं पूर्व में किए गए पंजीयनों का नवीनीकरण किया गया। हितग्राहियों ने कहा कि श्रमिक पंजीयन हो जाने से अब श्रम विभाग के तहत संचालित विभिन्न श्रमिक योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। वही शिविर में पहुंचे श्रम विभाग के अधिकारी राजेंद्र साहू ने बताया कि श्रम विभाग की इस पहल से श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में मदद मिलेगी। साथ ही, उन्हें कानूनी पहचान भी मिलेगी। वही एकांश पटेल (पंच वार्ड क्रमांक 09 एवं अध्यक्ष निर्माण एवं विकास कार्य समिति ग्राम पंचायत बिर्रा) ने बताया कि यह अभियान श्रमिकों के कल्याण और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम है। आगे पंच ने कहा कि वह अपने वार्ड के विकास में और लोगों की हितों के लिए हरसंभव प्रयासरत है। इस अवसर पर संजय पटेल, रमेश पटेल, फिरू,गेंदराम, जयकुमार, भुलाऊ पटेल,बलीराम पटेल,कौशल यादव, विनोद कुमार धीवर,गोपाल, क्रिश, रथराम,पीतांबर,राजू पटेल सहित भारी संख्या में वार्डवासी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में शीघ्र शुरू होगी सीटी स्कैन सुविधा

कलेक्टर ने ली जीवनदीप कार्यकारिणी समिति की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के साथ जिला चिकित्सालय के सभाकक्ष में आज जीवनदीप के कार्यकारिणी समिति की बैठक ली। बैठक में उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने एवं मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर ने नवीन ट्री नॉट जांच कक्ष के लिए रैंप, सीढ़ी एवं लिफ्ट निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया तथा लिफ्ट निर्माण के लिए डीएचएस को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिला चिकित्सालय अंतर्गत विभिन्न निविदा कार्यों की जानकारी ली और सफाई, सुरक्षा, भोजन, कैंटीन, पार्किंग आदि व्यवस्थाओं के लिए समयबद्ध तरीके से निविदा पूर्ण करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने कायाकल्प एवं इनक्वास कार्यक्रम के अंतर्गत बजट और कार्ययोजना की समीक्षा की तथा आईईसी

मद में हुए खर्च का ब्योरा भी लिया। उन्होंने अस्पताल के आस -पास ढाबों को बंद करने, महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा को लेकर पुख्ता व्यवस्था सहित नशापान पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सड़क किनारे पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से कहा कि मरीजों को जांच के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने मोतियाबिंद जैसे ऑपरेशन की संख्या बढ़ाने, डायलिसिस यूनिट की स्थिति सुधारने, स्त्री रोग विशेषज्ञ और शिशु रोग विशेषज्ञ की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही नवीन पार्किंग व्यवस्था एवं डीजी सेट में शेड निर्माण पर चर्चा की।

कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी आपसी विवाद में घायल व्यक्ति प्राथमिक इलाज के लिए अस्पताल आता है, तो इसकी सूचना थाने के साथ-साथ एसडीएम और तहसीलदार को भी दी जाए। उन्होंने एम्बुलेंस व्यवस्था की समीक्षा करते हुए एएलएस सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध कराने, ओपीडी, आईपीडी, डिलीवरी, एमटीपी, एक्स-रे, यूएसजी जैसी सभी बुनियादी सुविधाओं को मरीजों को अस्पताल के भीतर ही मुहैया कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खासतौर पर रात में आपातकालीन स्थिति बनती है, इसलिए रात्रिकालीन व्यवस्था दुरुस्त करें। रात्रि में अस्पताल में डाक्टर, कर्मचारी एवं स्टाफ जिनकी भी ड्यूटी हो, वे उपस्थित रहें। जिला चिकित्सालय का इमरजेंसी रेस्पॉन्स बेहतर होना चाहिए। बैठक में जीवनदीप समिति की आय-व्यय स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि खर्च केवल आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर ही किया जाए। उन्होंने रिक्त पदों की प्रतिपूर्ति और विशेष आवश्यकताओं की सूची तैयार कर समय रहते कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि सीटी स्कैन इंस्टॉलेशन कार्य पूरा हो चुका है जल्दी यह शुरू किया जाएगा।

कलेक्टर ने किया सीटी स्कैन मशीन का अवलोकन, 04 महिलाओं को प्रदान किया चश्मा- कलेक्टर ने बैठक के पश्चात जिला चिकित्सालय में लगाए गए नए सीटी स्कैन मशीन का अवलोकन किया। इसके साथ ही जिला चिकित्सालय में मोतियांबिद का आपरेशन कराए हुए 04 महिलाओं को चश्मा प्रदान किया। इस दौरान कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के. रॉय सहित चिकित्सकगण मौजूद रहे।

पीएम आवास योजना के 11 हजार लाभार्थियों को कराया गृहप्रवेश

सीएम साय ने किया पीएम स्वनिधि योजना 2.0 व लोक कल्याण मेला का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री साय बुधवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के स्वच्छता, आवास और लोक कल्याण उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' और 'अंगीकार-2025' अभियान तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 एवं लोक कल्याण मेला का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 11 हजार लाभार्थियों को गृहप्रवेश भी कराया। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकद्वय राजेश मूणत और सुनील सोनी तथा रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री साय और अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्वच्छता सुपर लीग के टूल-किट का विमोचन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत हितग्राहियों को उनके स्वीकृत आवासों के भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र तथा पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने रायपुर नगर निगम के दिवंगत कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। उन्होंने रायपुर नगर निगम और अन्य नगरीय निकायों में स्वच्छता को समर्पित डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि देश को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ा काम किया है। स्वच्छता अब लोगों की आदत में शुमार हो गया है। उन्होंने कहा कि घर के अंदर और बाहर साफ-सफाई केवल महिलाओं का ही दायित्व नहीं है, बल्कि यह पुरूषों का भी काम है। उन्होंने देश में स्वच्छता को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण में आज से प्रारंभ हो रहे अभियानों और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज से शुरू हो रहा स्वच्छता पखवाड़ा इस बार 'स्वच्छोत्सव' के रूप में मनाया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान सभी नगरीय निकायों में गंदगी के ब्लैक-स्पॉट्स को चिन्हांकित कर साफ-सफाई का अभियान चलाया जाएगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक आर. एक्का, रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप और राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्डा) के सीईओ शशांक पाण्डेय सहित नगरीय प्रशासन और सुडा के वरिष्ठ अधिकारी, रायपुर नगर निगम के एमआईसी सदस्य, पार्षदगण और विभिन्न योजनाओं के हितग्राही कार्यक्रम में मौजूद थे।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग...

महासमुंद जिले में 57 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

रायपुर। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार खाद्य विभाग द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 08 सितम्बर को सरायपाली एवं 12 सितम्बर को बसना क्षेत्र के विभिन्न होटल एवं ढाबों की जांच के दौरान कुल 57 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जांच दल में सहायक खाद्य अधिकारी सरायपाली हरीश सोनेश्वरी, खाद्य निरीक्षक सरायपाली अविनाश दुबे, खाद्य निरीक्षक बसना हेमंत वर्मा, खाद्य निरीक्षक पिथौरा दिव्यांशु देवांगन एवं खाद्य निरीक्षक बागबाहरा विवेक कुमार शामिल थे। सरायपाली में की गई जांच के दौरान पंडित होटल, झिलमिला से 08, मंजीत ढाबा से 12, अमृत होटल से 07 तथा शिवानी स्वीट्स से 07 गैस सिलेंडर जप्त किए गए। इसी प्रकार बसना क्षेत्र में बिकानेरी स्वीट्स से 05, सत्कार फैमिली रेस्टोरेंट से 04, साहू होटल परसकेल से 05, यादव होटल गढ़फुझर से 05 तथा लक्ष्मी गौरी भठोरी से 04 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें खाली, आंशिक भरे एवं सील पैक भरे हुए सिलेंडर शामिल हैं। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित होटल एवं ढाबा संचालकों द्वारा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियम) आदेश, 2000 का उल्लंघन किया गया है। जिला खाद्य अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में केवल व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का ही उपयोग करें। होटल एवं ढाबों की नियमित जांच आगे भी जारी रहेगी और भविष्य में घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग करते पाए जाने पर संबंधितों के खिलापफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्रि और गरबा उत्सव को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

रायपुर। रायपुर में आगामी नवरात्रि और गरबा उत्सव को देखते हुए जिला प्रशासन ने दुर्गोत्सव समितियों के साथ बैठक आयोजित की, जिसमें सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े कई अहम निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि इस दौरान डीजे के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग केवल निर्धारित सीमा के भीतर और धीमी आवाज़ में ही किया जा सकेगा।

शकुंतला फाउंडेशन ने किया शिक्षा दूतों का सम्मान

बापू की कुटिया में आयोजित हुआ आचार्य विभूति अलंकरण समारोह

रायपुर। शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की ओर से आचार्य विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन बापू की कुटिया (कलेक्ट्रेट परिसर) में हुआ। संस्था की अध्यक्षा श्रीमती स्मिता सिंह ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करना है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हेमचंद विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति एवं शिक्षाविद डॉ. अरुणा पलटा, डॉ. मुकेश शाह (वीर छत्रपति शिवाजी पब्लिक स्कूल), समाजसेवी शुभा शुक्ला और पारस इंस्टीट्यूट के चेयरमैन कविता कुंभज शामिल हुए। इस अवसर पर बस्तर और सुकमा जैसे सुदूर वनांचल में शिक्षा का दीप जलाने वाले शिक्षा दूतों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, साधना कला केंद्र की शिक्षिका साधना ढांड को संघर्ष और योगदान की मिसाल प्रस्तुत करने के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में 100 से अधिक शिक्षकों को मोमेंटो, प्रमाण पत्र, शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। डॉ. अरुणा पलटा ने अपने संबोधन में शिक्षकों और छात्रों के बीच तालमेल व गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर जोर दिया। आयोजन में संस्था के सदस्य संजना सिंह, पदमा घोष, सुषमा बग्गा, रूना चक्रवर्ती, पीयूष जैन और नीता विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस से सौजन्य मुलाकात

रायपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस जी का रायपुर प्रवास के दौरान राष्ट्र चेतना सदन, जीवन विहार में सौजन्य मुलाकात कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर संगठन से जुड़े अनेक प्रांत स्तरीय पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान प्रांत संगठन मंत्री रामपाल जानोद, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शोभा पंडित, प्रशिक्षण प्रमुख अमित वर्मा, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य डॉ. निर्भय शर्मा, मरीन ड्राइव डायरेक्टर राजीव सेंगर, प्रकाश शर्मा (छत्तीसगढ़ प्रभारी, राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच एवं एच. डी. महंत विशेष रूप से मौजूद रहे।

विश्वकर्मा जयंती पर सीएम हाउस में पूजा अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तथा छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री साय ने संसार के प्रथम वास्तुकार एवं सृजन-निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के श्रमवीर प्रदेश की प्रगति और निर्माण के वास्तविक आधारस्तंभ हैं। श्रम की सार्थकता और सृजन की भावना को समाज में प्रतिष्ठित करने का श्रेय भगवान विश्वकर्मा को जाता है। विश्वकर्मा जयंती का यह अवसर हम सभी को समर्पण और ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में लागू होगा 'गुजरात मॉडल ऑफ एजुकेशन' : गजेंद्र यादव

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने गुजरात प्रवास से लौटकर राज्य में शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। उन्होंने घोषणा की कि छत्तीसगढ़ में भी गुजरात मॉडल ऑफ एजुकेशन लागू किया जाएगा, जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी।

मंत्री यादव ने गांधीनगर स्थित विद्या समीक्षा केंद्र का दौरा किया और वहां शिक्षा में तकनीक और नवाचार के इस्तेमाल का अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि गुजरात में शिक्षा की डिजिटल निगरानी प्रणाली बेहद प्रभावी है और अब वही प्रणाली छत्तीसगढ़ में भी लागू होगी।

नई व्यवस्था के तहत:

छात्रों और शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज होगी।

मिड-डे मील योजना की रीयल टाइम मॉनिटरिंग होगी।

मौजूदा मोबाइल एप में नए फीचर्स जोड़े जाएंगे।

शैक्षणिक गतिविधियों की निरंतर समीक्षा की जाएगी।

मंत्री यादव का कहना है कि तकनीक आधारित मॉनिटरिंग से शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी और योजनाओं के क्रियान्वयन की गति भी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को अब डेटा आधारित और परिणाम केंद्रित बनाया जाएगा।

टीईटी अनिवार्यता पर बवाल: 5 अक्टूबर को दिल्ली में शिक्षक महापंचायत

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा को अनिवार्य करने के आदेश के खिलाफ अब देशभर के शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर 5 अक्टूबर को दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। शिक्षक संगठनों का कहना है कि भर्ती के समय टीईटी अनिवार्यता नहीं थी, ऐसे में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर अचानक इसका दबाव डालना अन्यायपूर्ण है। इससे पदोन्नति और सेवा समाप्ति का खतरा बढ़ गया है। हाल ही में हुई ऑनलाइन बैठक में छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन के साथ बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और दिल्ली समेत कई राज्यों के शिक्षक संगठनों के प्रांताध्यक्ष शामिल हुए। सर्वसम्मति से तय हुआ कि दिल्ली में बैठक के बाद 6 अक्टूबर को NCTE को ज्ञापन सौंपा जाएगा। छग शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी अमित दुबे और कमलेश गावड़े ने बताया कि केदार जैन ने सभी प्रांताध्यक्षों से अपील की है कि वे दिल्ली पहुंचकर शिक्षक हित की लड़ाई में मजबूती से शामिल हों।

ईब नदी पर 9 करोड़ की लागत से बनेगा उच्च स्तरीय पुल

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने धौरासांड से दाईजबहार मार्ग पर ईब नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 9 करोड़ 18 लाख रुपए की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की है। यह निर्माण कार्य निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। पुल बन जाने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और वर्षों बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही।

मिलेगी आवागमन की बड़ी सुविधा- इस उच्च स्तरीय पुल के निर्माण के बाद फरसाबहार क्षेत्र के दाईजबहार, बरकशपाली, साजबहार, बामहनमारा, तपकरा से धौरासांड, खुटगांव, बनगांव, हेटघिंचा और तुबा जैसे गांवों की दूरी काफी कम हो जाएगी। ग्रामीणों को अब लंबी दूरी का आवागमन नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और संसाधनों की भी बचत होगी।

ओडिशा और झारखंड राज्य से होगा सीधा संपर्क- ईब नदी पर बनने वाला यह उच्च स्तरीय पुल केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि क्षेत्रीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। यह मार्ग छत्तीसगढ़ को सीधे ओडिशा और झारखंड राज्यों से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग बन जाएगा, इससे व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

क्षेत्रवासियों ने जताया आभार- फरसाबहार क्षेत्र के ग्रामीणों ने ईब नदी में पुल निर्माण की मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री साय का आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि यह पुल न केवल उनके जीवन को आसान बनाएगा बल्कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

जनकल्याणकारी निर्णयों से वनवासियों की आय में हो रही बढ़ोत्तरी: केदार कश्यप

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में वनोपज राजकीय व्यापार अन्तर्विभागीय समिति(आईडीसी)की 309वीं बैठक नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन के हॉल में सम्पन्न हुई। वनोपज राजकीय व्यापार अन्तर्विभागीय समिति (आईडीसी) की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बैठक में लिए गए जनकल्याणकारी निर्णयों से राज्य में लघु वनोपजों के व्यापार को ज्यादा लाभ होगा और वनवासियों की आय में बढ़ोत्तरी होगी। साथ ही साथ उनके जीवन स्तर में बेहतर आर्थिक बदलाव भी आयेगा।

इस वर्ष दोगुना, अगले वर्ष तीन गुना होगी पुरस्कार राशि

आने वाली पीढ़ियों के लिए ओजोन परत का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी: ओ.पी. चौधरी

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित नवीन विश्राम गृह में पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग के मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि ओजोन परत का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सबके लिए समान है अमीर, गरीब, विद्वान या साधारण व्यक्ति और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सबकी है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने भारतीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते रहे हैं। पीपल, आंवला नवमी, गोवर्धन पूजा जैसी परंपराएं पर्यावरण संरक्षण की मिसाल हैं। पश्चिमी देशों का विकास मॉडल केवल संसाधनों के अंधाधुन दोहन पर आधारित है, जो टिकाऊ नहीं है। अब आवश्यकता सस्टेनेबल डेवलपमेंट की है ताकि जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिये हम सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। ओजोन परत का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। हम सभी इस दिशा में आगे आयें और ओजोन क्षरण पदार्थ व इसके उपयोग से बने उपकरणों का उपयोग ना करें। पर्यावरणीय चेतना से ही इस देश का हरित और सुरक्षित भविष्य बन सकता है।

शिक्षा क्षेत्र में नई उपलब्धियाँ- वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने

जा रहा है। नया रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफ्टी) के कैंपस खोले जा रहे है। इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा और शोध के अवसर अपने ही राज्य में उपलब्ध होंगे। साथ ही राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (निलेट) का स्थायी केंद्र भी छत्तीसगढ़ में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को तकनीकी, व्यावसायिक और शोध आधारित शिक्षा के नए आयाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बच्चों को टेक्नोलॉजी और स्किल्स पर भी ध्यान देना होगा। इस अवसर पर उन्होंने अजीज प्रेम जी स्कॉलरशिप का उल्लेख किया, जिसके तहत शासकीय स्कूलों से 10वीं-12वीं पास कर चुके जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रति वर्ष 30 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

इस वर्ष दोगुना अगले वर्ष तीन गुना मिलेगी पुरस्कार राशि: मंत्री- मंत्री श्री चौधरी ने कार्यक्रम में पोस्टर एवं इन्वायरोथॉन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही इस दौरान उन्होंने पुरस्कार राशि को इस वर्ष दोगुना और अगले वर्ष 3 गुना करने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर महाविद्यालयीन एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को ओजोन परत सरंक्षण हेतु शपथ भी दिलायी। जलवायु परिवर्तन के कारण एवं निदान तथा ओजोन परत संरक्षण-मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 550 एवं इन्वायरोथॉन के विषय वेस्ट टू वेल्थ में लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में 12-17 वर्ष वर्ग में बी.पी. पुजारी स्कूल, रायपुर की कु. नेहा कोसले, 18-22 वर्ष वर्ग में शास. नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर के रोहित कुमार साहू और दिव्यांग वर्ग में शा. दिव्यांग महाविद्यालय, माना, रायपुर के अनमोल पटले प्रथम स्थान पर रहे। इसी प्रकार इन्वायरोथान प्रतियोगिता में 12वीं तक वर्ग में राज कुमार कॉलेज के स्वर्णिम कुंज (ए.आर.बी. ग्रुप), स्नातक वर्ग में आईआईआईटी नवा रायपुर की कु. अनुष्का एक्का तथा स्नातकोत्तर वर्ग में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के निखिल कसेर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के

संपादकीय

चरमपंथी गुटों को वित्तीय सहायता

आतंकवाद के वित्त पोषण पर कनाडा में जारी एक रपट में खुलासा हुआ है कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी गुटों को कनाडा से वित्तीय सहायता मिल रही है। 2025 असेसमेंट ऑफ मनीलॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' नाम से जारी इस रपट में जिन चरमपंथी समूहों के नाम दिए गए हैं, उनमें दो संगठन-बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन-भी शामिल हैं। चिंता की बात यह है कि ये संगठन गैर-लाभकारी और धर्मार्थ गतिविधियों के लिए धन बता कर उसका अपने मंसूबे पूरे करने में इस्तेमाल करते हैं। इस रपट के सनसनीखेज खुलासे से नई दिल्ली के इन दावों की पुष्टि होती दिख रही है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व बिना रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं। यह कोई पहली रपट नहीं है जिसने आंख खोल देने वाले खुलासे किए हैं। इससे पहले ओटावा की खुफिया एजेंसी ने भी 1980 के दशक में जारी अपनी एक रपट में खुलासा किया था कि कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ का खतरा खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत के पंजाब में खालिस्तान नाम से स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश के तहत उत्पन्न हुआ था। इसके बाद कनाडा सरकार ने भी एक रपट जारी की जिसमें शंका जताई गई थी कि चरमपंथियों ने धार्मिकता का चोला ओढ़ लिया है। दरअसल, चरमपंथी संगठन, जिनमें हमास, हिज्बुल्ला जैसे मुस्लिम संगठन भी शामिल हैं, अपनी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाते हैं। बैंकिंग तंत्र के दुरुपयोग, क्रिप्टोकरंसी के इस्तेमाल के अलावा ये संगठन सरकारी वित्त-पोषित नीतियों और कार्यक्रमों में भी सेंध लगा कर धन जुगाड़ने में पीछे नहीं रहते। धर्मार्थ और गैर-लाभकारी संगठनों का दुरुपयोग तो करते ही हैं, यहां तक कि आपराधिक गतिविधियों से भी धन जुटाते हैं। परेशानकुन यह कि ये संगठन कनाडा तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ब्रिटेन समेत कई देशों तक फैले हुए हैं। अलबत्ता, कनाडा में उग्रपंथी खालिस्तानी संगठनों के लिए मुफीद स्थिति इसलिए है कि वहां आबादी में काफी बड़ा हिस्सा सिखों का है, जो सरकार बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सरकार भी नरम रवैया अपनाती है। इतना कि भारत जैसे देशों से अपने संबंधों के बिगाड़ तक की हद तक जा पहुंचती है।

भारत की सार्वभौमता को सीधी चुनौती

हरिशंकर व्यास

यों डोनाल्ड ट्रंप के मुंह अब कोई नहीं लग रहा है इसलिए भारत का रिएक्ट न होना ठीक ही है! लेकिन बावजूद इसके वे और उनके करीबियों ने जिस तरह भारत को कटघरे में खड़ा किया है वह भारत की सार्वभौमता को सीधी चुनौती है। विश्व राजनीति में कभी किसी देश को जुबानी इस तरह जलील नहीं किया गया, जैसे ट्रंप प्रशासन भारत को आए दिन जलील कर रहा है। सोचें, ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को 'मोदी वॉर' बताया। बुधवार को 'ब्लूमबर्ग टीवी' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने भारत पर जंग को बढ़ावा देने और दोहरा खेल खेलने का सीधा आरोप लगाया। फिर उन्होंने भारत को चेतावनी देने के अंदाज में कहा, 'भारत तुम तानाशाहों (चीन, रूस) के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा किया है। और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं'। इससे पहले अमेरिका वाणिज्य मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि- 'यूक्रेन युद्ध के पहले भारत की कुल तेल खरीदारी का एक फीसदी से भी कम हिस्सा रूस से आता था। अब यह 42 प्रतिशत है। इस तरीके से भारत के कुछ सबसे धनी घरानों ने (अंबानी?) सस्ते रूसी तेल को खरीदने के बाद उसे बेच कर 16 बिलियन डॉलर की रकम कमाई है। यह अवसरवादी तरीका अस्वीकार्य है।' तो ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकार और नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर केविन हैसेट के मुताबिक़, अगर भारतीय नहीं झुकते, तो मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप भी झुकेंगे। उधर बुधवार को ही व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी कैबिनेट बैठक में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने का श्रेय लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी बातचीत का ब्योरा साझा किया। उनके शब्दों में, मैंने कहा, 'क्या हो रहा है? मैं कोई ट्रेड डील नहीं करूंगा। आप लोग (भारत और पाकिस्तान) परमाणु युद्ध करने जा रहे हैं। आप लोग परमाणु युद्ध में ही फंसेंगे।' ट्रंप ने आगे कहा, फिर मैंने देखा कि सात जेट मार गिराए गए। मैंने कहा, 'यह अच्छी बात नहीं है'। ये तो बहुत सारे जेट हैं। आप जानते हैं कि 15 करोड़ डॉलर के विमान मार गिराए गए। बहुत सारे। सात, शायद उससे भी ज़्यादा। उन्होंने असली संख्या भी नहीं बताईज़ मैंने कहा, 'कल मुझे फिर से फ़ोन कीजिए, लेकिन याद रखिए, हम आप लोगों के साथ कोई ट्रेड डील नहीं करेंगे 'और इस बातचीत के पांच घंटे के भीतर दोनों पक्ष पीछे हट गए। साथ ही ट्रंप ने यह भी दोहराया कि उनके दखल ने पाकिस्तान को पीछे हटने पर मजबूर किया। जबकि याद करें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 जुलाई 2025 को संसद में दो टूक कहा था कि उनकी ट्रंप से कोई बात नहीं हुई। मोदी का इतना भर कहना था, नौ मई की रात को अमेरिकी उप राष्ट्रपति एक घंटे से बात करने की कोशिश कर रहे थे। बाद में मैंने उन्हें फोन किया कि आपका तीन चार बार फ़ोन आया था। उन्होंने मुझसे कहा कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है। मेरा जवाब था, अगर पाकिस्तान का ये इरादा है तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा और हम उससे भी बड़ा हमला करके जवाब देंगे। सवाल है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसद में बोले इसी वाक्य के हवाले से भारत सरकार ट्रंप को यह मुंहतोड़ जवाब नहीं दे सकती कि क्यों झूठ बोलते हो? हमारे प्रधानमंत्री की तो आपसे बात तक नहीं हुई थी। ट्रंप और अमेरिका झूठ बोल रहे हैं। पर डोनाल्ड ट्रंप सार्वजनिक तौर बार बार बोल कर भारत को झूठा करार दे रहे हैं। क्या भारत को दो टूक खंडन नहीं करना चाहिए? बुधवार को ट्रंप ने मोदी का नाम ले कर भी बोला। कहा, 卐मैं एक बहुत ही शानदार शख्स (नरेंद्र मोदी) से बात कर रहा था, भारत के मोदी से। मैंने पूछा, आपके और पाकिस्तान के बीच क्या चल रहा है? जफिर मैंने पाकिस्तान से व्यापार के बारे में बात की। मैंने कहा, 'आपके और भारत के बीच क्या चल रहा है?'

राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी खत्म नहीं हो पाया गहलोत बनाम पायलट का मामला

संतोष कुमार पाठक

वर्ष 2020 में राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी ही सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट पर भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने और विधायकों की खरीद फरोख्त करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। मामला एसओजी और एसीबी तक पहुंचा। लेकिन उस समय के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दर्ज करवाए गए मामले में जांच करने के बाद एसीबी ने अदालत के सामने एफआर लगाते हुए यह कह दिया कि उन्हें कोई सबूत नहीं मिला है और यह पूरा मामला फर्जी है। जांच एजेंसी की रिपोर्ट के बाद राजस्थान हाई कोर्ट ने मामले को खारिज करते हुए सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है। यह माना जा रहा था कि राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा सचिन पायलट सहित सभी आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई का अंत हो जाएगा। वैसे भी अब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार नहीं है तो कुर्सी के लिए लड़ाई का कोई मतलब नहीं है। अदालत का फैसला आने के बाद सचिन पायलट ने सधे हुए अंदाज में संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, न्यायपालिका में सभी का भरोसा है। न्यायपालिका में कभी-कभी देरी हो जाती है, लेकिन उन्हें लगता है देश की न्याय पालिका सुदृढ है, मजबूत है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि जब अदालत का निर्णय आ गया है, तो अब कुछ बचा है कहने को। न्यायपालिका में सबका भरोसा है।

अदालत द्वारा क्लीन चिट मिलने के बाद यह माना जा रहा था कि सचिन पायलट को जल्द ही कांग्रेस संगठन में नई और बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। खबरें तो यहां तक आ रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दोनों नेताओं ने सचिन पायलट से उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाने का वादा कर रखा है। आपको बता दें कि, कांग्रेस संगठन में राष्ट्रीय संगठन महासचिव का पद राष्ट्रीय अध्यक्ष के बाद दूसरा सबसे ताकतवर पद माना जाता है। इसी पद को छोड़कर वर्ष 2018 में अशोक गहलोत राजस्थान का मुख्यमंत्री बनकर जयपुर चले गए थे और वर्तमान में इस पद पर केसी वेणुगोपाल बैठे हुए हैं। लेकिन अदालत का फैसला आने के बाद अशोक गहलोत ने एक बार फिर से मोर्चा खोल दिया है।

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, राजस्थान में 2020 में कांग्रेस सरकार गिराने की साज़िश करने वाले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एसीबी द्वारा एक मुकदमे में एफआर लगाने पर बड़ी-बड़ी बातें कह रहे हैं। वो यह बताएं कि यदि इतने ही ईमानदार हैं तो विधायकों से खरीद-फरोख्त की बात करने वाले ऑडियो की जांच के लिए आज तक वॉइस सैंपल क्यों नहीं दिया? संजय जैन वाले मुकदमे में वो बार-बार अदालत में वॉइस सैंपल देने का विरोध क्यों करते हैं? यदि वो ईमानदार हैं तो एक बार वॉइस सैंपल देकर अपनी ईमानदारी साबित करें। सरकार बदलने के बाद पहले संजीवनी केस और अब दूसरे मामलों में जांच एजेंसियों पर दबाव डालकर तथ्य तोड़े-मरोड़कर एफआर लगाई जा रही है जिससे कोर्ट के सामने कोई और चारा नहीं बचता है। जुलाई-अगस्त 2020 में सरकार गिराने के लिए 30 विधायकों के समर्थन वापसी के दावे, 20 विधायकों को मानेसर ले जाना, अमित शाह, धर्मेन्द्र प्रधान और जफर इस्लाम से मुलाकात, कांग्रेस नेताओं पर ईडी, आईटी और सीबीआई के छापे, विधायकों को रिश्वत के मामले, बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों के ऊपर अचानक मुकदमे समेत सभी यादें प्रदेशवासियों के मन में ताज़ा हैं। सांसद हनुमान बेनीवाल ने ही कुछ दिन पूर्व ही सरकार गिराने के संदर्भ में बयान दिया था कि उस समय वो भाजपा का सहयोग कर रहे थे तब महीनेभर पहले मध्य प्रदेश में जैसे सरकार गिराई गई थी वही प्रयास राजस्थान में हुए इसमें किसी को शक नहीं है। कांग्रेस आलाकमान और जनता के आशीर्वाद से वह प्रयास असफल हुआ था और हमारी सरकार 5 साल चली। इससे गजेन्द्र सिंह शेखावत समेत सभी लोग मन मसोस कर रह गए। इस प्रकार गजेन्द्र सिंह शेखावत चुनी हुई सरकार को गिराने के प्रयास के इस पाप से कभी मुक्त नहीं हो सकते।

अपने इस पोस्ट में अशोक गहलोत ने अमित शाह, गजेंद्र सिंह शेखावत और बीजेपी के अन्य नेताओं के नाम लेकर यह साबित करने की कोशिश की है कि वर्ष 2020 में उनकी सरकार गिराने की साजिश हुई थी और इस बात पर वो आज भी कायम है। इतना ही नहीं 20 विधायकों को मानेसर ले जाने की याद दिलाकर उन्होंने बिना नाम लिए एक बार फिर से सचिन पायलट पर निशाना साधा है क्योंकि यह सब जानते हैं कि अपने समर्थक विधायकों के साथ पायलट ही मानेसर गए थे। यानी अदालत के फैसले के बाद भी अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई का अंत फिलहाल तो होता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

आपको याद दिला दें कि, वर्ष 2018 में राजस्थान में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राहुल गांधी के करीबी सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन अशोक गहलोत ने सबको चौंकाते हुए सोनिया गांधी और उनके आसपास के बुजुर्ग नेताओं को साध लिया। पायलट को मजबूरी में अशोक गहलोत की सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करना पड़ा। वर्ष 2020 में मध्य प्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे बुजुर्ग नेताओं से परेशान राहुल गांधी के एक और करीबी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने समर्थक विधायकों के साथ पाला बदलकर कांग्रेस की सरकार गिरवा दी थी। जिसका जिक्र गहलोत ने भी अपनी पोस्ट में किया है।

राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री होने के बावजूद लगातार उपेक्षा का दंश झेल रहे सचिन पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ मानेसर चले गए। उसके बाद क्या हुआ,यह सबको मालूम है। पायलट वापस आए, गहलोत सरकार बच गई लेकिन उनके अड़ जाने के कारण सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री, दोनों पदों से हटना पड़ा।

लेकिन वर्षों तक जांच करने के बाद एसीबी ने हाईकोर्ट में दाखिल अपनी रिपोर्ट में सरकार गिराने की साजिश को फर्जी बताते हुए कहा कि, आरोपियों के फोन रिकॉर्डिंग विधायकों को खरीदने या रिश्वत देने का मामला स्पष्ट नहीं होता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एसीबी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि, रिकॉर्डिंग में सामान्य राजनीतिक बातचीत, सट्टेबाजी, जुआ, महिलाओं की बातचीत और निजी बातें सुनाई दी गई। बैंक खातों की जांच में कोई भी बड़ी राशि का ट्रांजैक्शन सामने नहीं आया। यहां तक कि जांच के दौरान किसी भी विधायक ने यह नहीं कहा कि आरोपियों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी। जिसके बाद राजस्थान हाई कोर्ट ने मामले को खत्म कर दिया।

हालांकि अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा पोस्ट कर इशारों-इशारों में कांग्रेस आलाकमान और खासकर राहुल गांधी को बड़ा राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया है कि सचिन पायलट की किसी भी रूप में और किसी भी पद पर ताजपोशी उन्हें कतई मंजूर नहीं है। देखते हैं कि इस बार राहुल गांधी अपना वादा पूरा कर पाते हैं या फिर बुजुर्ग नेताओं के दबाव में फिर से पीछे हट जाते हैं।

आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाज़ी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफ और एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है। दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाज़ी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी।

दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाज़ी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है।

त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि卐बिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता है। लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाज़ी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना। अगर हम चाहते हैं कि हमारी अगली पीढ़ी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके, तो आतिशबाज़ी को त्यागना ही होगा। सरकारें अपनी नीतियों से इस दिशा में पहल कर चुकी हैं, अदालत ने भी कठोर आदेश दिए हैं, अब बारी समाज की है कि वह अपनी सोच बदले और अपने त्योहारों को पटाखों के बिना भी और अधिक रोशन और सार्थक बनाए। एक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है। जब हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना त्योहार मनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में हमारे उत्सव जीवनदायी और सार्थक बनेंगे। यही समय है कि हम सामूहिक रूप से एक नई परंपरा गढ़ें, आतिशबाज़ी रहित त्योहारों की परंपरा, ताकि आने वाली पीढ़ियां हमें दोष न दें कि हमने उनके हिस्से की स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण छीन लिया।

भाजपा के बिछाए जाल में उलझता विपक्ष

अजीत द्विवेदी

बिहार के दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां की गाली दिए जाने की घटना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई है। इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने का जितना श्रेय खुद प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी को है उतना ही श्रेय विपक्षी पार्टियों को भी जाता है। कांग्रेस के साथ साथ राजद के नेता अति उत्साह में इसे बड़ा मुद्दा बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। विपक्ष इस मामले में एक के बाद एक बड़ी गलतियां कर रहा है और भाजपा के बिछाए जाल में उलझता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी पार्टी और उनके इकोसिस्टम ने इस घटना के हर आयाम को आम आदमी तक पहुंचाने के उपाय कर लिए हैं और उसमें काफी हद तक उनको कामयाबी मिल गई है। यह बिहार की धरती पर प्रधानमंत्री के अपमान का मुद्दा बन गया है, एक महिला के अपमान का मुद्दा बन गया है और चूंकि गाली देने वाला मुस्लिम है तो सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मुद्दा भी बन गया है। इसका चुनावी लाभ कितना मिलेगा या नतीजों पर इसका क्या असर होगा, यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन इस विवाद ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के मुद्दे को हाशिए में पहुंचा दिया है। साथ ही एसआईआर के खिलाफ हुई यात्रा और पटना की सड़कों पर विपक्ष के मार्च से जो मोमेंटम बना था उसको भी रोक दिया है। हो सकता है कि इस विवाद को बढ़ाने का मकसद भी यही हो। बहरहाल, दरभंगा में 27 अगस्त को महागठबंधन यानी कांग्रेस, राजद, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई माले और वीआईपी के मंच से मोहम्मद रिजवान उर्फ रिजवी ने प्रधानमंत्री को मां की गाली दी। घटना के तुरंत बाद इसका वीडियो वायरल हो गया और तब से यह विवाद चल रहा है। यात्रा का नेतृत्व चूंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव कर रहे थे इसलिए वे भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के निशाने पर हैं। इन दोनों नेताओं ने घटना पर माफी मांग कर नैतिक साहस दिखाने और मामले को समाप्त करने की बजाय अपनी पार्टी के प्रवक्ताओं और इकोसिस्टम को इसका बचाव करने या दोनों नेताओं को जिम्मेदारी से मुक्त करने के तर्क खोजने के काम में लगा दिया। उस दिन से कांग्रेस और राजद के जेएनयू ब्रांड नेता और प्रवक्ता एक से एक बेहूदा तर्क खोज कर गालीबाज का बचाव करने, राहुल व तेजस्वी को जिम्मेदारी से मुक्त करने और मोदी को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। ये नेता जितना बचाव कर रहे हैं, उतना ही उलझते जा रहे हैं।

कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि राहुल गांधी क्यों माफी मांगें, जबकि वे घटना के समय मंच पर नहीं थे, गाली देने वाला कांग्रेस या राजद का कार्यकर्ता नहीं है और वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है, जिसे बकरी से दुष्कर्म के केस में जेल हुई थी। यह सही है कि राहुल गांधी मंच पर नहीं थे। लेकिन मंच तो कांग्रेस और राजद का था। चारों तरफ उनके झंडे लगे थे और चंद मिनट पहले ही उस मंच से राहुल गांधी व तेजस्वी यादव उतरे थे। उनके जिले के नेता और पदाधिकारी मंच पर थे। उनके सामने प्रधानमंत्री को मां की गाली दी गई।

फिर कांग्रेस और राजद इस जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? वह उनका कार्यकर्ता नहीं है लेकिन उनके मंच से उसने गाली दी तो इसके लिए माफी मांग लेने से राहुल छोटे नहीं हो जाते। कांग्रेस के नेता सोच रहे हैं कि अगर माफी मांगी तो इसका मतलब यह स्वीकार करना होगा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को गाली दी। लेकिन अगर माफी नहीं मांगते हैं तब भी कहां इस आरोप से पीछा छूट रहा है! उनको याद करना चाहिए कि कैसे देश के किसी भी हिस्से में कांग्रेस के आंदोलन में किसी किस्म की हिंसा होती थी या कोई भी गलती होती तो महात्मा गांधी उसका प्रायश्चित करते थे। घटना कहीं की भी हो और महात्मा गांधी कहीं भी रहे हों लेकिन वे शुद्धि के लिए उपवास करते थे, प्रायश्चित करते थे। अगर राहुल तर्क, कुतर्क करने की बजाय गांधी मार्ग पर चलते और माफी मांग लेते, प्रायश्चित करते तो मामला भी खत्म होता और उनका कद भी बड़ा हो जाता। चुनाव से ठीक पहले जो नुकसान होता दिख रहा है वह भी नहीं होता क्योंकि भाजपा को ऐसे आंदोलन करने का मौका ही नहीं मिलता।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।

बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।

भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।

सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।

अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।

दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।

मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।

सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस की सभा पूरी तरह विफल, झूठ की दुकान को बचाने निकले सचिन पायलट को सुनने गिनती को लोग पहुंचे-सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कांग्रेस पार्टी की दुर्ग में आज आयोजित वोट चोर गदी छोड़ आंदोलन व आमसभा को पूरी तरह विफल और इसे मां भारती के सच्चे सपूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बदनाम करने का एक प्रोपगेंडा बताया है सभा में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज जैसे दिग्गज नेताओं की उपस्थिति के बावजूद जनमानस की दूरी बताती है कि जनता पूरी तरह से कांग्रेस पार्टी को अस्वीकार कर चुकी है कांग्रेस पार्टी सत्ता की लालसा को लेकर हर बार के चुनाव के पूर्व नए प्रोपगेंडा लाती है तथा उसको लेकर कुछ समय के पश्चात जब चुनाव के रिजल्ट कांग्रेस पार्टी के मंशा अनुरूप नहीं आते हैं तो वे अपने युवराज कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिनके नेतृत्व में कई चुनाव लड़ते है मात खाते ही माफी वीर बन जाते हैं । भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि एक तरफ राहुल गांधी कहते है भारत कि लोकतंत्र कमजोर हो गई है तो क्या लोकतंत्र हमारे हिंदुस्तान में न होकर चीन इराक में है। भारत के संविधान में यह व्यवस्था है कि किसी भी असेंबली सेंगमेंट में वोटर को लेकर आपत्ति है तो असेंबली सेगमेंट्स का व्यक्ति उस पर शिकायत कर सकता है लेकिन बाहर का कोई उस पर शिकायत करता है तो उसमें प्रोफार्मा होता है कि जिसमे शपथ पत्र लेकर अपनी शिकायत दर्ज कराता है अगर यह शिकायत गलत पाई जाती है तो सामने वाले व्यक्ति को जेल भी जाना पड़ सकता है अगर ऐसा है तो कर्नाटक एक असेंबली को लेकर दिल्ली में बैठा हुआ है उनके वरिष्ठ नेता यह शपथ पत्र भरते हैं तो वे तैयार रहे हर बार की तरह कांग्रेस पार्टी का झूठ फिर बेनकाब होगा 7 जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि राहुल गांधी सत्ता खोने की हताशा में झूठ और बेबूनियाद बयान दे रहे हैं बिहार में हो रहे एसआईआर में एक सितंबर तक आपत्ति दर्ज कराकर चुनाव आयोग में अपना नाम जुड़वा सकते थे लेकिन 10 दिन होने के बावजूद इंडी गठबंधन के 160000 बूथ एजेंट स्वयं फार्म सत्यापन में योगदान देते तो ईमानदारी के साथ एक दिन में चार से पांच लोगों का वेरिफिकेशन का कार्य हो जाता और सारी बात स्पष्ट नजर आती किंतु इन्हे इससे कोई लेना देना नही है और अपनी बची हुई राजनीति के अस्तित्व और सत्ता पाने की लालसा को लेकर लगातार बे बुनियाद आरोप लगाते आ रहे हैं जो हर बार की फिर झूठी साबित होगी भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने दुर्ग में सचिन पायलट की सभा को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा कि देश की जनता मां भारती के परम वैभव को शिखर की ओर ले जा रहे हैं।

भगवान विश्वकर्मा जयंती सृजन श्रम और कौशल का पर्व

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा भारत की सांस्कृतिक धारा में ऐसे अनेक पर्व और उत्सव मनाए जाते हैं जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनमें से एक है भगवान विश्वकर्मा जयंती जिसे श्रम और सृजन का उत्सव कहा जाता है। यह पर्व हर साल भाद्रपद मास की कन्या संक्रांति को मनाया जाता है। इस दिन पूरे देश में विशेष रूप से मजदूर कारीगर शिल्पकार अभियंता तकनीशियन और उद्योग से जुड़े लोग बड़े उत्सव से भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना करते हैं। आधुनिक भारत और विश्वकर्मा जयंती।। आज भारत में छोटे- बड़े उद्योग कारखाने आईटी सेक्टर ऑटोमोबाइल कंस्ट्रक्शन और मशीनरीकृत सभी क्षेत्रों में करोड़ों लोग काम कर रहे हैं । हमें प्रेरित करता है कि हम हर प्रकार के श्रम का सम्मान करें और नवाचार को अपनाकर समाज और राष्ट्र को प्रगति की राह पर आगे बढ़ाएं। आज जब भारत विश्वगुरू बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है तब भगवान विश्वकर्मा की जयंती हमें यह स्मरण करती है कि तकनीक कौशल और श्रम ही वास्तविक शक्ति है। आधुनिक विश्वकर्मा है सरकार भी विश्वकर्मा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से पारंपरिक कार्य करो और अस्तित्व को उत्साहित कर रही है भगवान इसका मन जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि स्वयं का सत्संग का उत्साह होने पारित करता है

महाजेनको ने छत्तीसगढ़ की बड़ी खदानों में से एक, गारे-पल्मा सेक्टर II कोयला खदान का उद्घाटन किया; संचालन शुरू

रायगढ़। महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) ने आज रायगढ़ जिले के तमनार तहसील में स्थित गारे-पल्मा सेक्टर II (GP-II) कोयला खदान का कार्य प्रारंभ किया। खदान के बॉक्स कट गतिविधि की शुरुआत महाजेनको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री बी. राधाकृष्णन (IAS) की उपस्थिति में की गई।

इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री मनीष विश्वनाथ वाघिरकर, निदेशक श्री अभय हरने, कार्यकारी निदेशक श्री नितिन वाघ, श्री पंकज सपाटे, प्रशासनिक अधिकारीगण, वरिष्ठ अधिकारी और समस्त टीम उपस्थित रहे।

महाजेनको ने इस परियोजना के लिए सभी आवश्यक पर्यावरणीय, वन, खनन और प्रशासनिक अनुमतियाँ प्राप्त कर ली हैं। आज खदान का विधिवत शुभारंभ किया गया और संचालन की सभी आवश्यक अनुमतियों के तहत बॉक्स कट गतिविधि स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। खदान से कोयले का निष्पादन जनवरी माह से करने की योजना है।

GP-II कोयला खदान परियोजना छत्तीसगढ़ राज्य की सबसे बड़ी खदानों में से एक है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 23.6 मिलियन टन है। यह खदान महाराष्ट्र राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, विशेष रूप से चंद्रपुर, कोराडी और पारली जैसे थर्मल पावर प्लांट्स को कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इससे राष्ट्रीय ग्रिड को 3200 मेगावाट से अधिक बिजली प्राप्त होगी। इस खदान के संचालन से भारत की कोयला आयात निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी और देश को स्थानीय कोयला संसाधनों के माध्यम से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती मिलेगी। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के विज़न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परियोजना से करीब 3400 प्रत्यक्ष और हजारों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को आजीविका के नए साधन प्राप्त होंगे। साथ ही, खदान के संचालन से राज्य को रॉयल्टी, जीएसटी और अन्य करों के रूप में भारी राजस्व प्राप्त होगा, जिससे सामाजिक कल्याण और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। महाजेनको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री बी. राधाकृष्णन ने इस अवसर पर कहा कि रोजगार सृजन, राजस्व वृद्धि और सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिए कंपनी सतत योगदान देगी।

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए महाजेनको ने 32 वर्षों में 2256.60 हेक्टेयर क्षेत्र में 56.4 लाख स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाने का संकल्प लिया है। GP-II परियोजना समावेशी विकास, पर्यावरणीय संतुलन और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो छत्तीसगढ़ राज्य को राजस्व और रोजगार के रूप में दीर्घकालिक लाभ प्रदान करेगा।

नोट: कोयला खनन में बॉक्स कट एक प्रारंभिक खुदाई होती है, जो सतही खदान (ओपन-कास्ट माइन) शुरू करने के लिए की जाती है। इसमें सतह पर एक आयताकार गड्ढा खोदकर कोयला परत तक पहुँच बनाई जाती है, ताकि आगे की खनन प्रक्रिया शुरू हो सके।

शासकीय विद्यालय जुनवानी में प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर किया श्रम दान

भिलाई। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जुनवानी भिलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मदिवस के अवसर प्राचार्य श्रीमती वर्षा ठाकुर के नेतृत्व में विद्यालय परिवार द्वारा श्रम दान किया गया साथ ही स्वच्छता ही सेवा है के तहत स्वच्छता शपथ लिया गया । पूरे विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की अशेष बधाईयां दी गई । इस अवसर पर विद्यालय के सभी व्याख्याता गण श्रीमती पी बुरहान, श्रीमती कर्महे , बी मैथ्यू , एशमी बंजारे, श्रीमती प्रतिमा भारद्वाज ,श्रीमती रूपेश्वरी साहू , श्री संजय यादव ,श्रीमती रूखमणी विश्वकर्मा छात्र आर्यन कुमार ,चंदन , अरमान , कुमारी सुभी , दीपिका सूर्यवंशी ,कुमारी अंकिता बारले , झमिता यादव ,राधा , गुलशन भारती भूपेंद्र भारती , , आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर गैंदाटोला मंडल अध्यक्ष ने किया रक्तदान

छुरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा मंडल गैंदाटोला द्वारा ग्राम गर्रापार में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 74 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू स्वयं रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अग्रणी बने। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण ही भारतीय जनता पार्टी की पहचान है, और प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर रक्तदान कर जीवन बचाने जैसा कार्य करना हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व की बात है। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर स्वास्थ्य कर्मियों ने रक्तदाताओं की जांच कर सुरक्षित रक्त संग्रहण सुनिश्चित किया।

इस सेवा कार्य में मंडल अध्यक्ष के साथ उनकी पूरी टीम ने सहभागिता निभाई और शिविर की संपूर्ण व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया।

कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया और लोगों ने प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को जनसेवा के रूप में मनाने की इस पहल की सराहना की।

छात्रों को पहाड़ी का कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

सरायपाली शंकर लहरे (समय दर्शन)। शासकीय हाई रोहिना में प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व एवं इको क्लब प्रभारी कमलेश साहू के मार्गदर्शन में छात्रों को स्कूल के पीछे स्थित पहाड़ी का भ्रमण कराते हुए न सिर्फ इको सिस्टम से परिचय कराया बल्कि प्राकृतिक दृश्य एवं भू आकृतियों का भी अवलोकन कराया गया। व्याख्याता कमलेश साहू ने बताया कि स्कूल पीछे स्थित पहाड़ी का नैसर्गिक सौंदर्य बरसात के दिनों देखते ही बनता है। इस पहाड़ी से निकलने वाली बरसाती झरनों की तुलना नर्मदा का उद्गम अमरकंटक से करते हुए बताया कि किस प्रकार नर्मदा कुंड से नर्मदा निकलकर अदृश्य हो जाती है और कपिलधारा में प्रकट होती है। पहाड़ी ऊपर से अपने गांव, स्कूल को देखने का अलग ही आनंद की अनुभूति छात्रों को हो रही थी। छात्र न सिर्फपर्वतारोहण का अनुभव प्राप्त किया बल्कि ढाल, कगार, खड्ड जैसे कई भौगोलिक स्थलाकृतियों से भी अवगत हुए। झरना, कुंड, घाटी, चट्टानों की बनावट, अपरदन एवं निक्षेपण की क्रियाओं को करीब से देख कर रोमांचित हुए। पहाड़ी ऊपर छात्र एक सुंदर गीत 'पहाड़ी पे पेड़ था' गाकर पहाड़ी चढ़ने का भरपूर आनंद लिए। छात्रों को विभिन्न वनस्पतियों एवं दैनिक जीवन में उसकी उपयोगिता की जानकारी देते हुए वन संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य एके जायसवाल, व्याख्याता केके साहू, शिक्षक एल के पटेल, एके पटेल, एसके पटेल, लीला पटेल, के कमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

दंतेवाड़ा में नवनिर्वाचित सरपंचों का तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला पंचायत संसाधन केंद्र, दंतेवाड़ा में 16 से 18 सितंबर 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद पंचायत दंतेवाड़ा के अंतर्गत नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत सरपंचों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सरपंचों को उनके कर्तव्यों, अधिकारों और विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने क्षेत्र में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ पंचायतीराज अधिनियम, त्रिस्तरीय पंचायत संरचना, ग्राम पंचायत के कृत्य, सरपंच की शक्तियां, ग्राम सभा, पंचायत बैठकों का संचालन, स्थायी

समितियां, पेसा कानून, [illegible] गठन, 9 [illegible] थीम, [illegible]-2.0, ग्राम पंचायत के कर और शुल्क, ई-ग्राम स्वराज पोर्टल, 15वां वित्त आयोग, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना, जिला व जनपद पंचायत विकास निधि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। सरपंचों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम में पंचायत विभाग के उप संचालक, जिला अंकेक्षक, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षक, करारोपण अधिकारी, जिला संकाय सदस्य और नीति आयोग के सहयोगी पीरामल फाउंडेशन, दंतेवाड़ा के कर्मचारी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण सरपंचों के लिए ग्रामीण विकास और पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

दुर्ग नगर निगम की सामान्य सभा सम्पन्न, आठ एजेंडे सर्वसम्मति से पारित

मुक्तिधाम व गंजमंडी दुकानों के आबंटन पर हुआ निर्णय, संपत्तिकर पुनर्निर्धारण प्रस्ताव पारित, अतिरिक्त कर वृद्धि नहीं होगी

जीएसटी दरों में कटौती का निगम ने स्वागत किया, प्रधानमंत्री का अभिनंदनः

दुर्ग नगर निगम की सामान्य सभा सम्पन्न

दुर्ग/ (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग की सामान्य सभा की बैठक श्रद्धये मोतीलाल वोरा सभागार में आज प्रातः 10 बजे आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सभापति श्याम शर्मा ने की। इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्यगण, पार्षदगण तथा निगम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कुल आठ एजेंडे रखे गए, जिन्हें क्रमवार चर्चा उपरांत पारित किया गया।

मुक्तिधाम दुकानों के आबंटन पर निर्णय- सभा में रायपुर नाका स्थित मुक्तिधाम परिसर की दुकानों के आबंटन पर चर्चा हुई। यहां 10×12 आकार की चार दुकानें निर्मित की गई थीं। इनमें से दुकान क्रमांक 01 और 04 का आबंटन पूर्व में किया जा चुका है। दुकान क्रमांक 02 (अनारक्षित) और 03 (अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु आरक्षित) के लिए 29 जुलाई 2019 को निविदा आमंत्रित की गई थी। इसमें दुकान क्रमांक 02 के लिए श्री आशीष वर्मा की निविदा प्राप्त हुई, जिसे स्वीकार किया गया।

गंजमंडी कॉम्प्लेक्स और अग्रसेन चौक दुकान निविदा- नगर निगम, दुर्ग के नियंत्रणाधीन नवनिर्मित गंजमंडी व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स की दशम निविदा 13 नवम्बर 2024 को जारी की गई थी। यह निविदा 15 नवम्बर 2024 को समाचार पत्र देशबंधु और सुबह का प्रहरी में प्रकाशित हुई थी। निविदा में दुकानों के लिए ऑफर दर प्राप्त हुए। इसी प्रकार अग्रसेन चौक सुभाष स्कूल सीढ़ी के नीचे निर्मित दुकान हेतु 05 अगस्त 2025 को चतुर्थ निविदा आमंत्रित की गई, जिसमें चार निविदाकारों ने भाग लिया।

जाति प्रमाण पत्र और संपत्तिकर पुनर्निर्धारण- शहर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु कुल 61 आवेदन निगम में जमा हुए थे। इनकी जांच वार्ड एआरआई को सौंपी गई। जांच में 9 आवेदन पात्र और 52 अपात्र पाए गए। साथ ही, निगम अधिनियम 1956 की धारा 143(3) के अनुसार संपत्तिकर का पुनर्निर्धारण एजेंडे में शामिल रहा। वर्ष 2017-18 में भवन/भूमि मूल्य पर आधारित कर में 50 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। इसके बाद अब तक कोई संशोधन नहीं किया गया था। अन्य नगर निगमों की भांति दुर्ग में भी 2025-26 से वार्षिक भाड़ा मूल्य पर आधारित संपत्तिकर दर निर्धारित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। विशेष बात यह रही कि इसमें किसी भी प्रकार की अतिरिक्त कर वृद्धि नहीं होगी।

जीएसटी दरों में कटौती पर स्वागत प्रस्ताव बहुत से पारित- सामान्य सभा में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा हाल ही में जीएसटी दरों में की गई बड़ी कटौती का स्वागत किया गया। सदन ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि इस कदम से किसानों, मध्यम वर्ग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ मिलेगा। सभा ने प्रधानमंत्री का हृदय से अभिनंदन करते हुए बहुमत से स्वागत प्रस्ताव पारित किया।

महापौर और सभापति ने जताया आभार- महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि निगम की यह सभा शहर के विकास कार्यों को गति देने और जनता के हित में ठोस निर्णय लेने का मंच है। वहीं सभापति श्याम शर्मा ने सभी पार्षदों और अधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि पारित प्रस्तावों से निगम के प्रशासनिक कार्य और अधिक पारदर्शी तथा जनहितैषी बनेंगे।

खबर-खास

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किया गैलेक्सी S25 FE और गैलेक्सी बड्स3 FE

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज भारत में नया गैलेक्सी S25 FE स्मार्टफोन और गैलेक्सी Buds3 FE पेश किया। यह स्मार्टफोन पर्सनलाइज़्ड एआई अनुभव और एआई-पावर्ड फोटोग्राफी एवं एडिटिंग टूल्स से लैस है। इसमें 4900mAh की लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, मज़बूत आर्मर एल्युमिनियम फ्रेम और बड़े वेपर चैम्बर के साथ स्मूद गेमिंग परफॉर्मेंस मिलती है। 6.7 इंच का डायनेमिक AMOLED 2X डिस्प्ले और 120H5 रिफ्रेश रेट यूज़र्स को बेहतरीन और डूबो देने वाला विज़ुअल अनुभव देता है।

प्रीमियम एआई अनुभव- गैलेक्सी S25 FE में गैलेक्सी एआई को One UI 8 और मल्टीमॉडल एआई एजेंट्स के साथ और बेहतर बनाया गया है। अब यूज़र्स आवाज़, टच और विज़ुअल इनपुट को एक साथ इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे रोज़मर्रा के काम आसान और तेज़ हो जाते हैं। इसमें जेमिनी लाइव, नाउ बार और गूगल का सर्किल टू सर्च जैसे स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं, जो बातचीत को बेहतर बनाते हैं, प्रोडक्टिविटी बढ़ाते हैं और हर दिन के कामकाज को सरल करते हैं। खास बात यह है कि ये सभी फीचर्स आपकी आदतों और ज़रूरतों के हिसाब से खुद को एडजस्ट कर लेते हैं। साथ ही, नई सिक्योरिटी प्रोटेक्शन आपके डेटा और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखती है।

अपग्रेडेड कैमरा और प्रोविज़ुअल इंजन- गैलेक्सी S25 FE अपने प्रोविज़ुअल इंजन और एआई-आधारित फीचर्स के साथ प्रीमियम कैमरा अनुभव प्रदान करता है। इसका नया 12MP फ्रंट कैमरा और भी साफ़ और शार्प सेल्फी देता है। नाइटोग्राफी फीचर रात की तस्वीरों को बेहतर बनाता है। वहीं फोटो असिस्ट से गैलरी ऐप में आसानी से फोटो एडिट किए जा सकते हैं। जेनेरेटिव एडिट तस्वीरों को नया रूप देता है, इंस्टैंट स्लो-मो पलों को और खूबसूरती से कैप्चर करता है और ऑडियो ईरेज़र वीडियो से बैकग्राउंड शोर हटाकर प्रोफेशनल टच देता है।

बेहतर नॉक्स सिक्योरिटी- नॉक्स एन्हांस्ड एन्क्रिप्टेड प्रोटेक्शन (KEEP) डिवाइस के सिक्योर स्टोरेज में एन्क्रिप्टेड, ऐप-स्पेसिफिक स्पेस बनाता है ताकि हर ऐप सिर्फ अपनी जानकारी तक ही पहुंच सके। इसे गैलेक्सी पर्सनल डेटा इंजन (PDE) सपोर्ट करता है, जो यूज़र डेटा और प्रेफरेंसेज़ को नॉक्स वॉल्ट में ऑन-डिवाइस सुरक्षित रखता है। इसके साथ ही, सात जेनरेशन तक OS अपग्रेड और सात साल तक सिक्योरिटी अपडेट्स मिलते हैं, जिससे परफॉर्मेंस भरोसेमंद और टिकाऊ बनी रहती है।

गैलेक्सी बड्स3 स्त्रश्च- गैलेक्सी बड्स3 FE गैलेक्सी एआई, शानदार ऑडियो टेक्नोलॉजी और आइकॉनिक ब्लेड डिज़ाइन का बेहतरीन संगम है। यह यूज़र्स को गैलेक्सी इकोसिस्टम का सहज अनुभव देता है और बेहतर जीवनशैली तथा वेलनेस का आनंद लेने का मौका प्रदान करता है।

शीर्ष ब्रांडों पर धमाकेदार डील्स के साथ वापस आया आईसीआईसीआई बैंक का 'फेस्टिव बोनांजा'

मुंबई: आईसीआईसीआई बैंक का वार्षिक 'फेस्टिव बोनांजा' एक बार फिर से आकर्षक ऑफ़र्स के साथ लौट आया है। यह ऑफ़र्स ऑनलाइन शॉपिंग, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ट्रैवल, किराना, क्विक कॉमर्स, फर्नीचर और डाइनिंग जैसी कई श्रेणियों पर उपलब्ध हैं। ग्राहक 50,000 रुपये तक की छूट/कैशबैक का लाभ बैंक के क्रेडिट/डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, कार्डलेस ईएमआई और कंज़्यूमर फाइनेंस का उपयोग कर उठा सकते हैं। साथ ही, वे क्रेडिट/डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प भी चुन सकते हैं।

बैंक ने एप्पल, फ्लिपकार्ट, क्रोमा, रिलायंस डिजिटल, वनप्लस, मेकमाईट्रिप, गोआईबिबो, यात्रा, ब्लिंकिट, स्विगी, आजियो, डिस्ट्रिक्ट और पेप्परफ्राई जैसे प्रमुख ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है। साथ ही, बैंक फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ का पार्टनर है, जिसमें 23 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2025 तक ग्राहकों को 4,500 रुपये तक की अतिरिक्त 10 प्रतिशत छूट मिलेगी।

ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड ईएमआई के ज़रिए एप्पल-अथॉराइज़्ड स्टोर्स पर खरीदारी करते समय 6,000 रुपये तक का इंस्टेंट कैशबैक ले सकते हैं। साथ ही, वे 'द्धक्कद्धश्वठ्ठद्ग द्धश्वह्न स्द्धद्वद्ग' प्रोग्राम का विकल्प भी चुन सकते हैं, जिसमें 24 नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ द्धक्कद्धश्वठ्ठद्ग 17 का सिर्फ 75 प्रतिशत मूल्य चुकाना होगा। बैंक ने अपने लोन प्रोडक्ट्स पर भी विशेष ऑफ़र्स दिए हैं।

लॉन्च के अवसर पर आईसीआईसीआई बैंक के एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री राकेश झा ने कहा, हर साल हमारा 'फेस्टिव बोनांजा' त्योहारों की खुशी और मूल्य को और बढ़ाता है। इस साल हमें खुशी है कि हम शीर्ष ब्रांड्स पर ढेरों ऑफ़र्स ला रहे हैं, जिन्हें ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। ग्राहक इन ऑफ़र्स का लाभ क्रेडिट/डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, कार्डलेस ईएमआई और कंज़्यूमर फाइनेंस के माध्यम से उठा सकते हैं। वे नो-कॉस्ट ईएमआई का भी विकल्प चुन सकते हैं।

लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग सुविधाओं से करें लाभान्वित - कलेक्टर उइके

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उईके की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक में कलेक्टर श्री उइके ने जिले में बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित योजनाओं की जानकारी ली।उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के निर्देश सभी बैंकिंग अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासकीय विभागों द्वारा प्रकरण प्रेषित किए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत करें।कृषि,उद्यानिकी,मछलीपालन एवं पशुपालन विभाग द्वारा भेजे गए केसीसी के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करे।कलेक्टर ने हितग्राही मूलक आवेदनों को शाखा लेवल में लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये।कलेक्टर द्वारा जिन बैंक

शाखा का ऋण अनुपात कम है उन्हें ऋण अनुपात निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। साथ ही प्राथमिकता क्षेत्र,कृषि क्षेत्र,एमएसएमई ऋण वार्षिक लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। कलेक्टर श्री उइके ने जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने बैंक शाखा स्तर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पंजीयन करने के निर्देश दिये।इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर,अग्रणी बैंक प्रबंधक,महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग, एनआरएलएम प्रतिनिधि,राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन,खादी ग्रामोद्योग,आदिवासी स्वरोजगार एवं अंत्योदय स्वरोजगार विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में प्रधानमंत्री जनधन योजना अंतर्गत खोले गये बैंक खातों में आधार सीडिंग तथा रूपे कार्ड वितरण के प्रगति की समीक्षा की।साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,अटल पेंशन योजना,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना,प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति,अंत्यावसायी स्वरोजगार योजना,राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन पीएम स्वनिधि योजना की जिले में प्रगति की समीक्षा कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के आवश्यक निर्देश दिये।

सीईओ जिला पंचायत प्रखर चंद्राकर ने किया स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण

विद्यार्थियों संग किया मध्यान्ह भोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने आज गरियाबंद एवं मैनपुर विकासखंड के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की पढ़ाई की प्रगति तथा विद्यालयों की अन्य गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।सीईओ श्री चंद्राकर ने गरियाबंद विकासखंड के हायर सेकंडरी स्कूल धवलपुर में कक्ष 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए मासिक मूल्यांकन परिणामों की समीक्षा की। उन्होंने आगामी त्रैमासिक परीक्षा की तैयारी पर विशेष बल देते हुए अंग्रेजी विषय पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।इस दौरान विद्यालय की

विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण किया तथा विनोबा एप में नियमित एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने मैनपुर विकासखंड के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया।प्राथमिक विद्यालय में पठन,पाठन एवं लेखन की दक्षता की जांच की तथा विद्यार्थियों को नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरित किया।पूर्व माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों से त्रिकोण एवं त्रिकोणमिति से संबंधित विषयों पर चर्चा की और विज्ञान एवं गणित प्रयोगशालाओं की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान श्री चंद्राकर ने गौरघाट विद्यालय में बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन भी किया और भोजन की गुणवत्ता की जांच की।इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी गजेंद्र ध्रुव,महेश पटेल,विकासखंड स्त्रोत समन्वयक शिव कुमार नाग,विनोबा एप प्रभारी शुभम पटेल एवं डी.पी.वो.व्यंकटेश साहू उपस्थित रहे।

स्वच्छता का शपथ लेकर, तो कही श्रमदान कर, जिले में शुरू हुआ स्वच्छता पखवाड़ा

गरियाबंद (समय दर्शन)। पूरे प्रदेश के साथ-साथ गरियाबंद जिले में भी स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ हो चुका है।विगत दिवस जिले के कलेक्टर श्री उइके ने अपने हाथों झाड़ू थामकर लोगो को स्वच्छता के लिये प्रेरित किया।वहीं जिले के विकासखण्ड फिंगेश्वर में गांधी जी की प्रतिमा पर

माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर,तो देवभोग विकासखण्ड में जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने श्रमदान कर स्वच्छता के अभियान को स्वछोत्सव में परिवर्तित किया।छुरा जनपद में सभी सरपंच सचिवों के द्वारा स्वच्छता की शपथ लेकर अपने गांव को स्वच्छ रखने की कसम खाई और जुट गये स्वछोत्सव के इस त्यौहार को अपने गांव में मनाने। इस वर्ष यह अभियान जिले में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर,2025 तक ''स्वच्छोत्सव'' थीम पर मनाया जायेगा,विगत वर्षो की तरह,इस वर्ष भी 25 सितम्बर 2025 को सुबह 8 बजे एक साथ ''एक दिन,एक घण्टा, एक साथ'' श्रमदान का आयोजन किया जावेगा।प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजली देने के लिए स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2017 से प्रत्येक वर्ष जिले में ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान मनाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने गरबा का लिए विरोध, सौंपे ज्ञापन

गरियाबंद। कुछ ही दिनों में नवरात्रि का पर्व प्रारम्भ होना है,उसकी तैयारी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के नवदुर्गा समिति के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है, वही गुरुवार को छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के सदस्यों के द्वारा गरबा नृत्य का विरोध करते हुए उस नृत्य को रोकने की मांग करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे।ज्ञापन के आधार पे छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के सदस्यों ने बताया कि नवरात का पर्व मां दुर्गा की सेवा कर उनको प्रसन्न करने के लिए माता सेवा,जसजीत और भजन कीर्तन किया जाता है,लेकिन कुछ समितियों के द्वारा अन्य प्रदेश की संस्कृति को छत्तीसगढ़ में लाकर गरबा नृत्य का नाम देकर उसमें छोटे छोटे कपड़े पहनकर अश्लीलता ब्यक्त कर केवल मनोरंजन किया जाता है।जबकि माता सेवा में मां दुर्गा के चरित्र का वर्णन कर 33 कोटि देवी देवता को प्रसन्न किया जाता है।इससे देवी देवता का अपमान होता है।ऐसे कार्यक्रम पर रोक लगाते हुए इस पर कड़ी कार्यवाही की मांग किया गया।

गरियाबंद में पुलिस विवेचकों को जिले के अभियोजन अधिकारियों के द्वारा नवीन अपराधीक कानून, एडीपीएस,पोक्सो एक्ट, आबकारी एक्ट एवं आर्म्स एक्ट में विवेचना के संबंध प्रशीक्षण

गरियाबंद। गुरुवार को गरियाबंद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले के समस्त विवेचकों को नवीन अपराधिक कानून, एनडीपीएस,पोक्सो एक्ट,आबकारी एक्ट व आर्म्स एक्ट एवं अन्य प्रकरणों में विवेचना में आने वाली दिक्कतों एवं खामियों के संबंध में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मीटिंग आयोजित किया गया था। उक्त मीटिंग में जिला के अभियोजन अधिकारी शीतल दुबे ठाकुर डीपीओ,विकाश टोप्पो एडीपीओ एवं प्रदीप बेलोजिया के द्वारा जिले के समस्त विवेचकों को उक्त प्रकरणों में विवेचना के दौरान आने वाली दिक्कतों के निराकरण के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी

गई।मीटिंग के दौरान श्रीमती शीतल दुबे ठाकुर डीपीओ गरियाबंद के द्वारा नवीन अपराधीक कानून,पोक्सों एक्ट एवं महिला व बच्चों के संबंध में विवेचना के दौरान विवेचकों के द्वारा की जाने वाली विवेचना में समस्याओं एवं खामियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।साथ ही एडीपीओ विकाश टोप्पो एवं प्रदीप बेलोजिया के द्वारा एडीपीएस,आबकारी एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन मीटिंग के दौरान विवेचकों के द्वारा प्रश्न भी पुछा गया।जिसका विस्तृत एवं स्पष्ट जवाब अभियोजन अधिकारियों द्वारा दिया गया।

एचडीएफसी बैंक ने 1,000 से ज़्यादा शिक्षकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं के बारे में किया शिक्षित

मुंबई,: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं पर एक वर्चुअल सत्र आयोजित किया, जिसका उद्देश्य पूरे भारत के स्कूलों और कॉलेजों के 1,000 से ज़्यादा शिक्षकों को जागरूक करना था।

इस सत्र के माध्यम से शिक्षकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को सतर्क रहने और साइबर स्कैमर्स से खुद को बचाने में मदद करना था।

इस सत्र में प्रतिभागियों को धोखेबाजों द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न कार्यप्रणाली को समझने में मदद करने के लिए वास्तविक जीवन से सबंधित उदाहरण, कहानियाँ और वीडियो आदि का उपयोग किया गया। एचडीएफसी बैंक पिछले चार वर्षों से देश भर में विभिन्न स्थानों पर सुरक्षित बैंकिंग पहल के तहत साइबर धोखाधड़ी जागरूकता सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित कर रहा है।

कार्यशाला में कई प्रासंगिक विषयों पर चर्चा की गई, जिससे डिजिटल सुरक्षा की बेहतर समझ विकसित हुई:

1. साइबर धोखाधड़ी जागरूकता: विशिंग, फ़िशिंग, स्मिशिंग, रिमोट डिवाइस एक्सेस, सिम स्वैप और यूपीआई धोखाधड़ी जैसे सामान्य साइबर खतरों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। निवेश, नौकरी के प्रस्ताव, डिजिटल गिरफ्तारी, नकली कूरियर आदि की आड़ में होने वाले घोटालों की पहचान करने और इनसे बचाव के तरीकों पर भी चर्चा हुई। समझ को गहरा करने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग किया गया।
2. सुरक्षित नेट-बैंकिंग और खरीदारी के सुझाव: सत्रों में सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन के सर्वोत्तम तरीकों और सुरक्षित ऑनलाइन खरीदारी के सुझावों पर प्रकाश डाला गया।
3. निवारक उपाय: उपस्थित लोगों को अपनी संवेदनशील बैंक जानकारी का खुलासा न करने के लिए निर्देशित किया गया।
4. संदिग्ध घोटालों की सूचना दें: www.sancharsaathi.gov.in पर चक्षु पोर्टल पर किसी भी संदिग्ध कॉल/संदेश की सूचना दें।

इस सत्र पर टिप्पणी करते हुए एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष (क्रेडिट इंटेलिजेंस एंड कंट्रोल) श्री मनीष अग्रवाल ने कहा, जागरूकता की कमी के कारण लोग साइबर धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं। इसलिए लोगों को जागरूक करना ज़रूरी है ताकि वे गोपनीय बैंकिंग डेटा साझा न करें या असत्यापित लिंक पर क्लिक न करें। इन सत्रों का उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए सही ज्ञान से लैस करना है।

मनेन्द्रगढ़ में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती

एमसीबी। पूरे देशभर में 17 सितम्बर को मनाई जाने वाली विश्वकर्मा जयंती का पर्व एमसीबी जिले में भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मनेन्द्रगढ़ के जोड़ा तालाब स्थित श्री साईं फैब्रिकेशन में इस अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में साईं फैब्रिकेशन परिसर में पहुंचे। भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को आकर्षक फूलों से सजाया गया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। फैब्रिकेशन के संचालक सौरभ गुप्ता ने बताया कि विश्वकर्मा जयंती लोहे और मशीनरी से जुड़े व्यवसायियों और कारीगरों के लिए विशेष महत्व रखती है। इस दिन सभी मशीनों और औजारों की साफ-सफाई कर उनकी पूजा की जाती है ताकि व्यापार और कार्य में उन्नति हो। पूजन के बाद विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया। आयोजन में नगर के व्यापारी वर्ग, कारीगर, युवा और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग, बालोद
// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक-5104 **/व.ले.लि./NIT- 07 /2025-26/बालोद, दिनांक :-**17.09.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 03.10.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 16.10.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 17.10.2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटीक्र. निविदा क्र.	कार्यका नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत(रू.लाख में) अमानत राशि बैंक साल्वेंसी
1	2	3
07 T0039	लोक निर्माण विभाग संभाग बालोद के अंतर्गत पी.डब्ल्यू.डी. कॉलोनी बालोद में पुराना शासकीय आवासगृह का का डिस्टमेंटल कार्य (प्रथम आमंत्रण)	4-32 4350.00 64800.00

नियम व शर्ते :-
1) पंजीयन की छायाप्रति 2) पेन कार्ड की छायाप्रति 3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4) श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति 5) निविदाकारों की श्रेणी "द" से "अ" निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रू. 750.00 एवं कार्य की अवधि "1" माह होगी।

1. The dismantled matcrial will belong to the tenderer/bidder and he can dispose the same in my way he likes.
2. Tne tender rate/bid will cover the cost of all operatlons such as dismantling of the structure, removal of the dismanteled material and site clearance.
3. The tender/bid rate shall include the cost of the dismantled materials.

G-252603596/1

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि.बालोद संभाग बालोद

संक्षिप्त-खबर

पिथौरा महाविद्यालय में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्राथमिक सहायता पर प्रशिक्षण संपन्न

पिथौरा(समय दर्शन)। चंद्रपाल डड़सेना शासकीय महाविद्यालय पिथौरा में दिनांक 18 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना,यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में प्राथमिक सहायता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस एस दीवान द्वारा किया गया। उन्होंने महाविद्यालय में गठित यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन इकाइयों के उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी देने के साथ-साथ महाविद्यालयीन गतिविधियों में सम्मिलित होने के लिए सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। तत्पश्चात रेड क्रॉस प्रभारी टिकेश्वरी द्वारा प्राथमिक सहायता एवं स्वास्थ्य सेवा मित्रता की जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से दी गई। विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रोड एक्सीडेंट, आकाशीय वज्रपात, करंट लगने एवं आग लगने आदि आपातकालीन विपत्तियों का सामना करने पर मॉक प्रदर्शन किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी शेखर कानूनगो द्वारा शिविर एवं नियमित गतिविधि पर विस्तार पूर्वक विश्लेषण किया गया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष बी एस विशाल द्वारा सीपीआर देने के महत्व पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के अंतर्गत दाल का गठन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न अधिकारी कर्मचारी जितेंद्र पटेल, सुमन पटेल, राकेश तिवारी, रामकुमार रविदास एवं विभिन्न छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन यूथ रेड क्रॉस प्रभारी टिकेश्वरी द्वारा किया गया।

राज्य स्तरीय शालेय स्पर्धा में शामिल होंगे तरीघाट के खिलाड़ी

पाटन (समय दर्श न)। शास उ मा विद्यालय तरीघाट के मिथलेश कुमार निषाद कक्षा 12 वी और आदित्य निषाद कक्षा 11 का 25राज्यस्तरीय शालेय खेल एथलेटिक्स प्रतियोगिता जगदलपुर के लिए चयन हुआ है जो संभाग स्तरीय खेल बालोद में मिथलेश ने गोला फेंक में प्रथम, तावा फेंक में द्वितीय स्थान रहा, वहीं आदित्य निषाद ने लम्बी कुद में प्रथम 200द्व में द्वितीय और 100द्व में तृतीय स्थान प्राप्त किया। जो 25 वी राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता एथलेटिक्स जगदलपुर में आयोजित दिनांक 21,09,2025 से 24,09,2025 तक आयोजित होगा। स्कूल के व्यायाम शिक्षक डॉ नरेश कुमार साहू के मार्गदर्शन और अभ्यास का परिणाम है। चयन होने पर संस्था के प्राचार्य श्री गजेन्द्र नाथ पांडेय, निशिकांत भारती, रमेश साहू, सरपंच महोदया श्रीमती चंदिका साहू, उप सरपंच प्रकाश गोस्वामी, शाला विकास समिति के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र सिन्हा और समस्त स्टाफ गण ने उज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

व्यापारी से दिनदहाड़े पांच लाख की उठाईगिरी

बलौदाबाजार। जिले के भाटापारा शहर में दिनदहाड़े पांच लाख रुपए की उठाईगिरी होने का मामला सामने आया है। जहां एक व्यापारी से पांच लाख रूपये की उठाईगिरी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार पोहा मिल व्यापारी बैंक से पैसा निकालकर अपने दुपहिया वाहन में जा रहा था। इसी दौरान अंडरब्रिज के पास कुछ युवकों ने पीछे रखे बैग में हाथ डालकर नगदी से भरा थैला पार कर दिया। व्यापारी को जब इसका पता चला तो उसने तत्काल इसकी सूचना भाटापारा शहर थाने में दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस नसे आसपास पुछताछ करने के साथ ही वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला। सीसीटीवी में चार युवक दीवार फ ांद कर भागते हुए दिखे हैं। जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है। फिलहाल, भाटापारा शहर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाकों में लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

समय दर्शन

महासमुंद जिले के महासमुंद शहर हेतु ब्यूरो चीफ़ नियुक्त करना है,इच्छुक व्यक्ति रक्षाधन सहित संपर्क करें ।महासमुंद ब्लॉक के अंतर्गत निवास वाले ही संपर्क करें ।

मो 9993225894

9171038856

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर परसापाली में बुजुर्गों का सम्मान समारोह

- सेवा और संस्कार का संदेश देने वाला आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर विकासखंड पिथौरा के ग्राम परसापाली में सेवा एवं संस्कार से जुड़ा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के बुजुर्गों का विधिवत पैर धोकर उनका आशीर्वाद लिया गया तथा उन्हें श्रीफल और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

आयोजकों ने बताया कि, यह आयोजन प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन से प्रेरणा लेकर किया गया है। उन्होंने सदैव सेवा, सम्मान और संस्कार की भावना को समाज में बढ़ावा दिया है। बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ने और समाज में सकारात्मक संदेश देने का माध्यम है।

इस अवसर पर शंकर लाल ध्रुव, रूप सिंह ध्रुव, झाड़ूराम सिन्हा, भैयाराम ध्रुव, सेवक राम ध्रुव, मनसा राम ध्रुव, कंवल सिंह ध्रुव एवं उपसरपंच सोनुराम ध्रुव का पैर धोकर, श्रीफल और शाल भेंट कर विशेष रूप से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा, पार्षद मन्नूलाल ठाकुर, व्यापारी प्रकोष्ठ जिला आयोजक मनमोहन जैन, रमेश पटेल एवं किशोर पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामनाएँ की है।

हमारी सरकार हर वो कार्य कर रही है जिससे बेटियों का भविष्य मजबूत हो-ऊषा

पिथौरा(समय दर्शन)। सुखीपाली में आयोजित नि:शुल्क साइकिल वितरण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष उषा पुरूषोत्तम धृतलहरे , कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ब्रम्हानंद पटेल, विशिष्ट अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी , जनपद सदस्य पुरर्षोत्तम घृतलहरे कवलजीत पम्मी छाबड़ा ,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक सरपंच सुरुति बुडेक टीकेलाल पटेल उपसरपंच भोगीलाल पटेल शाला विकास समिति के अध्यक्ष प्रेमशंकर प्रधान सोसायटी अध्यक्ष कन्हैया प्रधान रक्षपाल विशाल सुदर्शन मुन्ना मंडल मंत्री गोविंद पटेल पदुम साहू ने माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष उषा पुरुषोत्तम घृतलहरे ने सरस्वती साइकिल प्राप्त करने वाले बच्चो को बधाई देते हुवे कहा कि, हमारी सरकार हर वो प्रयास कर रही है, जिससे बेटियों का भविष्य मजबूत हो।

उन्होंने कहा कि मोबाइल के कारण आज की पीढ़ी बहुत भ्रमित हो रही है, इसलिये हमे किताबों से दोस्ती करनी चाहिये डऔर पूरा फोकस पढ़ाई में होना चाहिये ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल ने भी बधाई देते हुवे कहा कि, आप सब बच्चे देश का भविष्य हैं। शिक्षा के बिना सबकुछ अधूरा है, आप सब पूरी तन्मयता के साथ शिक्षा ग्रहण करे।

विशेष अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों की शिक्षा को मजबूत करने में विशेष प्रयास कर रही है। सरस्वती साइकिल के माध्यम से बेटियों से शिक्षा के बीच की दूरी को कम करने का कार्य कर रही है। सफल जीवन के लिए शिक्षा का होना बहुत आवश्यक है। शिक्षा से आप सबके भविष्य का निर्माण होता है।कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्राचार्य आर के पुरोहित ने किया मंच संचालन अंशुमन ताँड़ी ने किया व आभार प्रदर्शन झनेश नायक ने किया।

इस अवसर पर के कुरवंशी हरीसचंद विशाल गोपीनाथ पटेल हरेश पटेल डी के बरिहा केवरा वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा रक्तदान अमृत महोत्सव पर बीएससी के छात्र केवल दास दीवान ने किया रक्तदान

बसना(समय दर्शन)। राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा रक्तदान अमृत महोत्सव का आयोजन पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के शुभ अवसर किया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रायपुर पहुंच कर सेवा पखवाड़ा रक्तदान अमृत महोत्सव में भाग लेकर रक्तदान किया। पंडित जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना बीएससी के छात्र केवल दास दीवान ने रक्तदान अमृत महोत्सव में भाग लेकर रक्तदान किया। मीडिया में चर्चा के दौरान बसना महाविद्यालय के छात्र केवल दास दीवान ने कहा कि मुझे रक्तदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं पहली बार रक्तदान किया हूं। मुझे अच्छा और सुखद अनुभव हो रहा है। रक्तदान करने के लिए मुझे मेरे पिताजी सेवक दास दीवान से प्रेरणा और आशिर्वाद मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्म दिवस की शुभकामनायें देते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देता हूं कि सेवा पखवाड़ा रक्तदान अमृत महोत्सव का आयोजन बहुत ही अच्छा रहा।

2014 के बाद का भारत , राजनीति से जनभागीदारी तक का स्वर्णिम अध्याय-अनिल अग्रवाल

बसना(समय दर्शन)। देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर स्वच्छता पखवाडा के अवसर पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अपना विचार साझा किया ।

उन्होने कहा कि,भारत की राजनीति के इतिहास में वर्ष 2014 को केवल एक चुनावी पड़ाव नहीं, बल्कि एक युगांतरकारी परिवर्तन का प्रारंभ माना जाएगा। यह वही क्षण था जब देश की जनता ने दशकों से चली आ रही निराशा, भ्रष्ट्राचार, नीतिगत पंगुता और सत्ता के अहंकार को दरकिनार कर अपने भविष्य को एक नए नेतृत्व के हाथों में सौंपा। उस क्षण से आज तक भारत की राजनीति में एक आमूलचूल परिवर्तन हुआ है !

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही 2014 के पहले कांग्रेस शासनकाल में राजनीति केवल उच्च वर्ग तक सीमित थी। गाँव-कसबे का आम आदमी राजनीति में केवल मतदाता था, सहभागी नहीं। योजनाएँ बनती थीं, लेकिन वे जनता तक पहुँचते-पहुँचते दम तोड़ देती थीं। कांग्रेस शासन में योजनाएँ कागज़ों और फाइलों में खोकर रह जाती थीं, आम आदमी का राजनीति से मोहभंग हो चुका था?

लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने यह तस्वीर बदल दी।अब राजनीति केवल दिल्ली और लुटियंस की गलियों तक सीमित नहीं रही। आज गाँव का किसान, शहर का व्यापारी, मजदूर, छात्र, महिला, युवा ङ्क हर कोई राजनीति का सक्रिय सहभागी है। हर घर में सुबह से यह चर्चा होती है कि -

आज हमारे प्रधानमंत्री क्या कहेंगे?

ाज कौन सी नई योजना आएगी?

आज देश के लिए कौन सा बड़ा निर्णय लिया जाएगा?

देश की राजनीति में यह जिज्ञासा, जागृति और यह लगाव ही 2014 के बाद का सबसे बड़ा परिवर्तन है।

आज मोदी सरकार के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान में जुड़ने के लिए भारत का हर नागरिक उसे अपनी प्रतिबद्धता मानता है क्योंकि सभी यह जानते है कि जब भारत आत्मनिर्भर होगा,तब यहीं से भारत का विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग प्रशस्त होगा !

आज राजनीति जनता की आँखों के सामने है।प्रधानमंत्री मोदी की प्रत्येक योजना , चाहे वह जन धन योजना हो, उज्ज्वला गैस कनेक्शन हो, आयुष्मान भारत हो, प्रधानमंत्री आवास योजना हो या फिर डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया,सीधे गाँव-गाँव और घर-घर तक पहुँच रही है। अब योजनाएँ सिर्फ बनाई नहीं जातीं, बल्कि लागू भी की जाती हैं और उसका लाभ जनता को तुरंत मिलता है।

जहाँ पहले योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुँचने में सालों लग जाते थे, वहीं अब मोदी सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत को व्यवहार में उतारा है। आज देश का सबसे गरीब व्यक्ति भी अपने आप को सत्ता से जुड़ा हुआ महसूस करता है।

मोदी जी केवल योजनाओं तक सीमित नहीं हैं। उनका हृदय भी बहुत संवेदनशील है, उनकी आत्मा हर भारतीय से जुड़ी हुई है।जब आतंकी हमारे देश पर वार करते थे, तब पहले की सरकारें केवल निंदा करती थीं। लेकिन 2014 के बाद का भारत चुप नहीं बैठता। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने पूरी दुनिया को बता दिया कि यह भारत अब केवल सहन नहीं करेगा ङ्क यह नया भारत अब बदला भी लेगा।

जब पहलगाम की घटना हुई, तब देश ने महसूस किया कि दिल्ली से कोई शासक नहीं बोल रहा है , बल्कि घर का मुखिया बोल रहा है। वह मुखिया जिसने अपने परिवार के बेटे का खून देखा, और संकल्प लिया कि इसका हिसाब पूरा किया जाएगा,फिर दुश्मनों से बदला लेने का ऐसा तांडव मचा जिसका परिणाम हम सबने देखा है । तभी तो आज हर भारतीय कहता है ङ्क मोदी जी हमारे प्रधानमंत्री ही नहीं, हमारे अभिभावक भी हैं।

नरेन्द्र मोदी की एक प्रचारक से प्रधानमन्त्री तक की यात्रा सबके लिए प्रेरणास्पद है ,यही कारण है कि आज जनता प्रधानमंत्री को केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि अपना एक हीरो मानती है,राष्ट्र के प्रहरी के साथ साथ अपना अभिभावक मानती है !

बिहान समूह से जुड़कर महिलाएं शसक्त हो रही है दीदी के गोठ सुनकर प्रेरित हुए ग्रामीण महिलाएं, जनपद पंचायत के सी ई ओ और एडिशनल सी ई ओ ने बढ़ाया महिलाओं का संबल

पाटन (समय दर्शन)। बिहान आजीविका मिशन से जुड़कर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अब आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है। यह सभी महिलाएं अपनी आजीविका का साधन से जुड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बन रही है ।आज गुरुवार को दीदी के गोठ का रेडियो प्रसारण हुआ जिसमें ऐसे ही सफल दीदियो से बात चित किया गया। इसका प्रसारण जनपद पंचायत पाटन के ग्राम ढोर में महिलाओं ने सुनी और सफल दीदियों से जो वार्तालाप हुई उससे वह आजीविका के लिए प्रेरणा भी लिया। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा रेडियो कार्यक्रम के तहत आज दोपहर 2 बजे दीदी के गोठ का प्रसारण रेडियो से सुना गया। दीदियों की कहानी उसी के जुबानी महिलाओं ने सुनी। यह प्रसारण रेडियो पर प्रत्येक माह के दूसरे सोमवार को प्रसारित होती है। जनपद पंचायत पाटन के सीईओ जागेंद्र साहू और एडिशनल सीईओ श्वेता यदु ने पहले बिहान समूह से जुड़ी महिलाओं के साथ दीदी के गोठ कार्यक्रम का प्रसारण सुना। इसके बाद बिहान से समूह से जुड़कर कैसे सफल हो सकते है इसकी जानकारी दी। वर्तमान में कई महिलाएं भवन निर्माण सामग्री का सप्लाई कर व्यापार कर रही है। ग्राम पंचायत के सचिव प्रदीप चंद्राकर ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से महिलाएं को आगे व्यापार व्यवसाय करने के लिए प्रेरणा मिलती है। बिहान के प्रभारी अमित द्विवेदी ने बताया कि बिहान से जुड़कर महिलाएं रोजगार के अवसर से जुड़ रहे है।

शहीद आकाशराव गिरेपुंजे की स्मृति में राज्य स्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप

- महासमुंद में 19 से 21 सितंबर तक होगा आयोजित
- मिनी स्टेडियम महासमुन्द मे आज से तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आगाज

महासमुन्द(समय दर्शन)। शहीद स्व. आकाशराव गिरेपुंजे सहायक पुलिस अधीक्षक की स्मृति में बास्केटबॉल संघ जिला महासमुंद द्वारा राज्य स्तरीय सब - जूनियर बालक एवं बालिका बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 का आयोजन दिनांक 19 से 21 सितंबर 2025 तक मिनी स्टेडियम महासमुंद में किया जा रहा हैं।

प्रतियोगिता में महासमुंद जिले के अलावा राज्य से बिलासपुर, रायपुर जिला व रायपुर नगर निगम, सरगुजा, राजनांदगांव जिला, कोरबा, रायगढ़ जिला व कार्पोरेशन, धमतरी एवं गरियाबंद भिलाई नगर निगम की बालक एवं बालिका टीम, प्रशिक्षक व दल मैनेजर शामिल होंगे। आयोजन की प्रारंभिक तैयारियों को लेकर बैठक लिया गया, जिसमें खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, राजस्व निरीक्षक मनीष श्रीवास्तव, अध्यक्ष बास्केटबॉल संघ महासमुंद नुरेन चंद्राकर, चेयरमैन गौरव चंद्राकर, सचिव शुभम तिवारी, अभिषेक, कुलेश्वर चंद्राकर, राहुल रंजन आदि उपस्थित रहे। चैंपियनशिप हेतु आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें संरक्षक विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर, प्रशांत श्रीवास्तव, दिग्विजय साहू, बादल मक्कड़, गिरधर यदु प्रतियोगिता संचालक प्रदेश उपाध्यक्ष नुरेन चंद्राकर आदि शामिल हैं। उक्त चैंपियनशिप में खेल एवं युवा कल्याण, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी, नगर पालिका परिषद, माई भारत, रिवर्डल वर्ल्ड स्कूल महासमुंद, चंद्रोदय पब्लिक स्कूल, आर एल सी हॉस्पिटल, महानदी हॉस्पिटल, सोहम हॉस्पिटल, दीना ग्लोबल हॉस्पिटल महासमुंद, टी वी एस शो रूम, एच डी एफ सी बैंक, एच सी कैफे, डी3 स्पोर्ट्स आरंग, स्पोर्ट्स गैरेज, विजय चंद्राकर, संतोष चंद्राकर अन्य लोगों के सहयोग से किया जा रहा हैं। अध्यक्ष नुरेन चंद्राकर ने बताया कि राज्य स्तरीय आयोजन में शहीद स्व. श्री आकाशराव गिरेपुंजे जी के परिवार, आई जी रायपुर, विधायक महासमुंद, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद महासमुंद, कलेक्टर, एस पी सहित विभिन्न, जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारियों सामाजिक संगठन, सहयोगी व गणमान्य नागरिक अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26